(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

बुधवार, 01 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 256 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉकी और रानी की प्रेम ...8

पछतावा है कि मेरी पार्टी ने पंचायत चुनाव नहीं लड़ा: नेंका अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला को इस बात का पछतावा है कि उनकी पार्टी ने जम्मू–कश्मीर में 2018 में हुए पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया था। जम्मू–कश्मीर से विशेष राज्य का दर्जा वापस लिए जाने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने सितम्बर 2018 में पंचायत चुनाव नहीं लड़े थे और 2019 में खंड विकास परिषद (बीडीसी)के चुनाव का भी बहिष्कार किया था। संसदीय राज संस्थानों (पीआरआई) को मजबूत करने के लिए आयोजित संसदीय सम्पर्क कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को फारूक अब्दुल्ला ने विश्वास व्यक्त किया कि

सरकार बनेगी, जिसमें अधिकारी, जनता के प्रति जवाबदेह होंगे। फारूक अब्दुल्ला के संबोधन के समय मंच पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद थे।

सिन्हा से पंचायत नेताओं को सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, " देश के साथ खड़े राजनेता, आतंकवादियों के निशाने पर हैं और उनकी रक्षा करना देश का कर्तव्य है।" सितम्बर 2018 में हुए स्थानीय चुनाव के बारे में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा, " मुझे पछतावा है कि मेरी पार्टी ने पंचायत चुनाव नहीं लड़ा।" अब्दुल्ला ने जम्मू–कश्मीर प्रशासन के अधिकारियों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, " वे फोन नहीं उठाते जैसे उनके ऊपर कोई भूत मंडरा रहा हो।" उन्होंने सिन्हा से अनुरोध किया कि वे अधिकारियों को लोगों के फोन कॉल का जवाब देने का आदेश दें। उन्होंने कहा, " जल्द ही जम्मू–कश्मीर में एक सरकार का गठन होगा, जिसके कार्यकाल में सरकारी अधिकारी, जनता के प्रति जवाबदेह होंगे।

करोना संकटकाल में लोग बेरोजगार हो गए और भाजपा की कमाई 50 प्रतिशत बढ़ गई–कांग्रेस प्रवक्ता दीपक शर्मा

शिमला। करोना संकटकाल में लोग बेरोजगार हो गए।करोड़ों लोगों के काम–धंधे चौपट हो गए।समाज के हर वर्ग की औसत आय कम हो गई लेकिन हैरानी की बात है कि इस दौरान भाजपा की आय पच्चास प्रतिशत बढ़ कर 3623.28 करोड़ हो गई।एडीआर के यह ताजा आंकड़े चौंकाने वाले हैं।

यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक शर्मा ने आज कही। उन्होंने कहा कि जब पूरी मानवता पर जान का संकट था, सबकी रोजी रोटी पर सवाल खड़े हो चुके थे,ऐसे में भाजपा की आमदन में अरबों की बढ़ौतरी हैरान करने वाली है।उन्होनें कहा कि आखिर इस संकट के दौर में भाजपा ने कौन सा

ऐसा धंधा किया जिससे इसकी आमदन 2410 करोड़ से बढ़ कर 3623 करोड़ पहुंच गई। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मजदूर भूख से मर रहा था, छोटे व्यापारी की आय खत्म हो गई।

किसान– बागवान, मध्यमवर्ग को रोजी रोटी के लाले पड़ गए,करोड़ों लोग बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं लेकिन भाजपा की कमाई दिन रात फल फूल रही है।भाजपा को इस कमाई का खुलासा सार्वजनिक करना चाहिए।वो कौन उद्योगपति हैं जिन्होंने करोना के बुरे दौर में धंधा चौपट होने के बावजूद भाजपा को अरबों रुपए दान किए।यह पूर्णतः शंका पैदा करने वाला कार्य है। जनता भाजपा से इस आय के दाताओं के नाम जानना चाहती है।उन्होंने कहा कि कहीं यह वही लोग तो नहीं जिनको मोदी सरकार द्वारा देश की बहुमूल्य सम्पत्तियां बेची जा रही हैं।

दीपक शर्मा ने कहा कि करोना संकटकाल में जिस तरह आम जनता की मजबूरियों का दवा माफिया, जमाखोरी माफिया सहित अनेक मानवता के दुश्मनों ने नाजायज फायदा उठाया उसको देख कर भाजपा की यह बढ़ती हुई अरबों की आय आमजन में शंका पैदा करती है। उन्होंने कहा कि हैरानी की बात है कि भाजपा ने इस काल में आय तो 3623 करोड़ की प्राप्त की लेकिन खर्च मात्र 1651 करोड़ किया गया जबकि इसी दौरान पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में हुए चुनावों में भाजपा ने अरबों रुपए खर्च किए। दीपक शर्मा ने कहा कि भाजपा को इस संदिग्ध करोड़ों की आमदन के स्रोतों बारे पारदर्शिता बरतते हुए सभी दान दाताओं का ब्यौरा सार्वजनिक करना चाहिए ताकि जनता के बीच जो शंकाएं पैदा हुई हैं उनका समाधान हो सके।

यूपी के फिरोजाबाद में 1 सितंबर से नहीं खुलेंगे कक्षा 1 से 5वीं तक के स्कूल, योगी सरकार ने दिए आदेश

फिरोजाबाद (उप्र)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुये जिला प्रशासन ने कक्षा एक से लेकर कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों को छह

सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया है। सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के फिरोजाबाद दौरे के बाद देर रात प्रशासन ने यह कदम उठाया। डेंगू के बढ़ते प्रकोप को लेकर जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बेसिक शिक्षा अधिकारी व जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र जारी करते हुए आठवीं कक्षा तक के लिये सभी स्कूलों को छह सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने बताया कि यह आदेश सभी सरकारी गैर सरकारी स्कूलों के साथ–साथ अध्यापन कार्य कर रहे सभी संस्थानों पर लागू रहेगा। यदि किसी के द्वारा इस आदेश की अवहेलना की जाएगी तो उसके खिलाफ दंडात्मक व विधिक कार्यवाही की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फिरोजाबाद जिले में डेंगू के कहर की वजह से अब तक करीब 40 लोगों की मौत पर कड़ा रुख अपनाते हुए सोमवार को कहा कि इस मामले की सर्विलांस टीम से जांच करायी जाएगी। जिला प्रशासन ने अब तक 32 बच्च्चों समेत करीब 40 लोगों की डेंगू से मौत की पुष्टि की है।

जलियांवाला बाग परिसर के पुनर्निर्माण पर राहुल गांधी का आरोप, शहीदों का अपमान किया गया

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जलियांवाला बाग स्मारक स्थल का पुनर्निर्माण किये जाने के बाद इसकी भव्यता को लेकर सोशल मीडिया में उठ रहे सवालों का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि यह शहीदों का अपमान है और यह वही कर सकता है जो शहादत का मतलब नहीं जानता। उन्होंने ट्वीट किया, "जलियांवाला बाग के शहीदों का ऐसा अपमान वही कर सकता है जो शहादत का मतलब नहीं जानता। मैं एक शहीद का बेटा हूं। शहीदों का अपमान किसी कीमत पर सहन नहीं करूंगा। हम इस अभद्र क्रूरता के खिलाफ हैं।" कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, "जिन्होंने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी, वे उन लोगों को नहीं समझ सकते, जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी।" राहुल गांधी ने उस खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया जिसमें

कहा गया है कि इस स्मारक स्थल की भव्यता को लेकर सोशल मीडिया में लोगों ने गुस्से का इजहार किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलियांवाला बाग के पुनर्निर्मित परिसर का उद्घाटन किया है।इस बाग का केंद्रीय स्थल माने जाने वाले "ज्वाला स्मारक" की मरम्मत करने के साथ–साथ, परिसर का पुनर्निर्माण किया गया है, वहां स्थित तालाब को एक "लिली तालाब" के रूप में फिर से विकसित किया गया है तथा लोगों को आने–जाने में सुविधा के लिए यहां स्थित मार्गों को चौड़ा किया गया है। इस परिसर में अनेक नई और आधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है जिनमें लोगों की आवाजाही के लिए उपयुक्त संकेतकों से युक्त नव विकसित मार्ग, महत्वपूर्ण स्थानों को रोशन करना,और अधिक वृक्षारोपण के साथ बेहतर भूदृश्य, चट्टान युक्त निर्माण कार्य तथा पूरे बगीचे में ऑडियो नोड्स लगाना शामिल हैं। इसके अलावा मोक्ष स्थल, अमर ज्योति और ध्वज मस्तूल को समाहित करने के लिए भी कार्य किया गया है।

इंदौर में आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हुआ बड़ा खुलासा, तालिबानियों से मिला है कनेक्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में दंगों की साजिश के आरोप में गिरफ्तार किए गए आरोपियों को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि इन आरोपियों का का

तालिबानी कनेक्शन है। वहीं आरोपियों के पास से मिले कई अहम सुराग से इसका खुलासा हुआ है। दरअसल प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आरोपियों के पास से 200 आपत्तिजनक सामग्री और दस्तावेज,पेनड्राइव मिली है। इसके साथ ही वहाट्सएप चौट मिले हैं जिनमें पाकिस्तान से ही नहीं बल्कि तालिबान से भी बातचीत के संकेत आएं हैं और अब उसकी जांच हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि जो भी सबूत मिले है उसे वेरीफाई कराया जा रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि हमने इंदौर को अलर्ट मोड पर किया है। इसके जैसे प्रकरण जैसे जैसे सामने आएंगे पुलिस सख्ती से आगे कार्रवाई करेगी। देशद्रोह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और तालिबानी सोच भी मध्यप्रदेश में बर्दाश्त नहीं होगी। नरोत्तम ने कहा कि जांच के लिए पुलिस टीम बनाई गई थी और यह पकड़े गए हैं। आगे भी लोग पकड़े जाएंगे। आपको बता दें इंदौर की खजराना पुलिस ने दंगों की साजिश रचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया था। आरोपी जावेद खान, अल्तमस, इमरान अंसारी, सैयद इमरान अली सोशल मीडिया के माध्यम अफवाह फैला रहे थे। वहीं इंदौर एसपी आशुतोष बागरी के मुताबिक चारों आरोपी इंदौर में बड़े दंगे भड़काने की साजिश कर रहे थे और गोरिल्ला टेक्निक के जरिए शहर का माहौल बिगाड़ने वाले थे। लेकिन इससे पहले कि वह कामयाब हो पाते पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

देश में कोविड–19 के 30,941 नए मामले, 350 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड–19 के 30,941 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,27,68,880 हो गई। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 3,70,640 हो गई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार

को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 350 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,38,560 हो गई। देश में अभी 3,70,640 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 1.13 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 5,684 की कमी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.53 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवम्बर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

तालिबान के समर्थन में उतरे बूम-बूम अफरीदी

बोले– इस बार उनका रूख पॉजिटिव, महिलाओं को करने देंगे नौकरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान की जमकर प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि इस बार तालिबान बड़े पॉजिटिव रूख के साथ सामने आए हैं। ये चीजें पहले नजर नहीं आई हैं। लेकिन इस बार बड़ी पॉजिटिविटी की तरफ नजर आ रही हैं। अफरीदी ने किया तालिबान का गुणगानः उन्होंने कहा कि महिलाओं को लेकर तालिबान की रूख बेहद नरम है जो काफी अच्छा है। उनके

नजरिए को देखकर लगता है कि वो महिलाओं को नौकरी करने देंगे। अफगानिस्तान में क्रिकेट के भविष्य पर उन्होंने महज तालिबान समर्थन किया। दरअसल, काबुल में तालिबान की एंट्री के साथ अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश छोड़ दिया और वहां पर रहने वाले ज्यादातर लोग भी अपना मुल्क छोड़ने के लिए विवश हो गए। आपको बता दें कि अमेरिकी सैनिकों ने भी काबुल हवाई अड्डे को पूरी तरह से खाली कर दिया है और वहां पर भी तालिबान का कब्जा है। इसी बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर का वीडियो सामने आया। जिसमें उन्होंने महज तालिबान की तारीफ की। यूजर्स ने की आलोचनाः ाल 2017 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बूम–बूम अफरीदी ने कहा कि इस बार तालिबान के रवैये को देखकर लग रहा है कि वो महिलाओं को नौकरी करने देंगे और राजनीति में भी शामिल करेंगे। शाहिद अफरीदी के इस बयान पर भारत से लेकर पाकिस्तान तक के सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी जमकर आलोचना की। एक यूजर ने तो शाहिद अफरीदी को तालिबान का अगला प्रधानमंत्री उम्मीदवार ही बता दिया।

चौथी बार गोरखपुर से चुनाव का श्री गणेश करेंगे मोदी!

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव जीतने के लिए अबकी से भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गुरु गोरक्षनाथ की नगरी और योगी आदित्यनाथ की कर्म भूमि गोरखपुर से ही उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का आगाज करेंगे। 18 अक्तूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गोरखपुर में खाद कारखाने का लोकार्पण का कार्यक्रम प्रस्तावित है। जहां खाद कारखाने का लोकार्पण करके पीएम मोदी यूपी के किसानों को भी नये कृषि कानून के बारे में जानकारी देने के साथ,सरकार द्वारा किसानों के लिए किए जा रहे अन्य कामों को भी गिनाया जाएगा। पीएम मोदी आमजन के साथ–साथ किसानों से भी विकास के नाम पर मिशन–2022 की जीत के लिए आशीर्वाद मांगेंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 14 मार्च तक सम्पन्न कराए जाने हैं। इससे पहले ही योगी सरकार प्रदेश भर में विकास परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करा लेना चाहती है। प्रधानमंत्री का गोरखपुर दौरा इस लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि लोकसभा या फिर यूपी विधानसभा चुनाव मोदी प्रचार की शुरूआत गुरु गोरक्षनाथ की धरती से ही करते हैं। जब 2014 में मोदी, प्रधानमंत्री की कुर्सी के भाजपा की तरफ से उम्मीदवार बनाए गए थे, तब

भी उन्होंने गोरखपुर के मानबेला मैदान में बड़ी रैली की थी। 2017 के यूपी विधानसभा में चुनाव प्रचार की शुरूआत मोदी ने खाद कारखाना मैदान से की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी खाद कारखाना मैदान में मोदी की बड़ी रैली हुई थी। इसी रैली में 'किसान सम्मान निधि' देने का एलान भी किया गया था। इसी एलान के बाद देशभर के किसानों के बैंक खातों में सालाना छह–छह हजार रुपये भेजने का सिलसिला प्रारम्भ हुआ था। प्रधानमंत्री अपने गोरखपुर दौरे के दौरान कुछ महत्वपूर्ण घोषणा भी कर सकते हैं। इसी क्रम में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले गोरखपुरवासियों के लिए जिले में ही एम्स का लोकार्पण भी होना है। इसकी ओपीडी चल रही है। जल्द ही 750 बेड का अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा, फिर उद्घाटन की तिथि तय होगी। एम्स का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही करेंगे। दिसंबर 2021 से पहले ही लोकार्पण की संभावना है। इसी तरह से पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेस–वे का शिलान्यास कराया जाना है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण काम लगभग पूरा हो चुका है। मिट्टी डालने का काम चल रहा है। इसका शिलान्यास पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के साथ ही प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर सकते हैं।गौरतलब हो, गोरखपुर से मोदी द्वारा की गई रैली का बड़ा संदेश पूरे पूर्वांचल में जाता है। गोरक्षपीठ का प्रभाव पूर्वांचल सहित यूपी व देश के अलग–अलग राज्यों में है। गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल में ही विधानसभा की 62 सीटें हैं। 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने अपने दम पर 44 सीटों पर जीत दर्ज की थी। दो सीटें भाजपा की सहयोगी दलों के खाते में गई थी। इसी तरह 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तीनों मंडल की 13 में से 12 सीटें जीतकर विपक्ष को तगड़ा झटका दिया था। 2019 के चुनाव में बीजेपी को 13 में से 10 लोकसभा सीटें जीतने में सफलता मिली थी।

प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान के साथ उन्हें रोजगार से लगाकर, बना रही है आत्मनिर्भर

रायबरेली । भारतीय संस्कृति में महिलाओं का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वे समाज के हर कार्य में हाथ बंटाती रही हैं। प्राचीन काल में महिलायें विदुषी, ज्ञानी और सामाजिक व्यवस्था की पोषक रही हैं। महिलाएं केवल गृहिणी ही नहीं बल्कि वे राजसत्ता चलाने में भी निपुण रही हैं। आज हमारे देश में महिलायें उद्योग, व्यापार, शिक्षा, प्रशासन, विज्ञान, तकनीकी, फोर्स, खेल आदि विभिन्न क्षेत्रों में कुशलतापूर्वक कार्य करते हुए राष्ट्र की सेवा कर रही हैं। ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कुटीर उद्योगों, गृह उद्योगों कृषि कार्यों आदि में उनका विशेष योगदान है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में कार्य करते हुए परिवार की आर्थिक बुनियाद मजबूत कर रहीं हैं, साथ ही राष्ट्र के विकास में सहभागी बन रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश की महिलाओं की सशक्तीकरण व सुरक्षा, सम्मान, स्वाभिमान और रोजगार से लगाने की जो संकल्पना की थी वह पूरी कर रहे हैं। प्रदेश सरकार महिलाओं के चतुर्दिक विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर उन्हें लाभान्वित कर रही है। प्रदेश सरकार की संचालित योजनाओं से करोड़ो बालिकायें, महिलायें लाभान्वित हुई और सरकार की योजनाओं की प्रशंसा कर रही है। महिलाओं के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें संचालित हैं।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना–प्रदेश में समान लिंगानुपात स्थापित करने व कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बालिकाओं के स्वास्थ्य व शिक्षा को सुदृढ़ करने, बालिका के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा बालिकाओं के प्रति आम जन में सकारात्मक सोच विकसित करने हेतु उ0प्र0 के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने मार्च, 2019 में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की घोषणा की थी। यह योजना 01 अप्रैल, 2019 से लागू हो गयी। योजना के संचालन हेतु वेब पोर्टल यउोलण्नचण्हवअण्पदद्ध का विकास किया गया है। योजना के अन्तर्गत देय धनराशि पी0एफ0एम0एस0 के माध्यम से सीधे लाभार्थी पात्र के बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। योजना के अन्तर्गत मुख्यत: ऐसे लाभार्थी पात्र होते हैं जिनका परिवार उत्तर प्रदेश का निवासी हो, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम रू0 3.00 लाख तथा जिनके परिवार में अधिकतम दो बच्चे हों।

योजना के अंतर्गत बालिकाओं को कुल 4 श्रेणियों में सहायता दी जाती है। जन्म के समय रु0 2000, एक वर्ष के टीकाकरण पूर्ण करने पर रु0 1000, कक्षा–1 में प्रवेश के समय रु0 2000, कक्षा–6 में प्रवेश के समय रु0 2000, कक्षा–9 में प्रवेश के समय रु0 3000 तथा दसवींध्बारहवीं परीक्षा उत्तीर्ण कर डिग्री या दो वर्षीय या अधिक के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेने पर रु0 5000 एकमुश्त प्रदान किये जाते हैं। योजना के अन्तर्गत वर्ष 2020–21 में कुल 3.67 लाख लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इस वर्ष भी हजारों कन्याओं के खातों में मुख्यमंत्री जी ने धनराशि भेजी है।

महिला हेल्पलाइन 181– महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा तथा सामाजिक, आर्थिक सशक्तीकरण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 181–महिला हेल्पलाइन के रूप में पहल की गयी है। 181 एक टोल फ्री नम्बर है, जो 24ग7 घण्टे कार्य करता है। महिला हेल्पलाइन पर कोई भी महिला एवं बालिका जो विषम परिस्थितियों से ग्रस्त हो अथवा उसको किसी भी अन्य प्रकार की समस्या या आवश्यकता की पूर्ति हेतु सलाह की आवश्यकता हो, टोल फ्री नम्बर पर कॉल कर सहायता प्राप्त कर सकती है। वर्ष 2020–21 में योजना के अन्तर्गत 19189 महिलाओं को सहायता प्रदान की गई है। वर्तमान वर्ष में भी महिलाओं की सहायता की जा रही है।

वन स्टाप सेंटर योजना– भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित वन स्टाप सेंटर का शुभारम्भ वित्तीय वर्ष 2016–17 में किया गया था। योजना का उद्देश्य हिंसा से पीड़ित महिलाओं को समस्त आवश्यक सेवायें जैसे पीड़ित महिला को अल्प प्रवास (पांच दिवस), चिकित्सकीय सहायता, परामर्शी सेवायें विधिक सहायता एवं पुलिस सहायता इत्यादि एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में प्रदेश के सभी जनपदों में वन स्टाप सेंटर का संचालन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में 10,226 महिलाओंध्बालिकाओं को सहायता उपलब्ध कराई गई है। जो सतत संचालित है।

पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना– उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की जा रही पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों को रु0 500 प्रतिमाह की दर से चार तिमाही में पेंशन का भुगतान पीएफएमएस के माध्यम से किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत 18 वर्ष से अधिक आयु की ऐसी महिलाएं जो उत्तर प्रदेश की स्थाई निवासी हो व उनकी पति की मृत्यु हो चुकी हो तथा उनकी पारिवारिक वार्षिक आय रु0 2.00 लाख से अधिक न हो। पात्र लाभार्थियों को देय धनराशि पीएफएमएस के माध्यम से उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2020–21 में 27.95 लाख लाभार्थियों की लाभान्वित किया गया है। उपरोक्त के अंतर्गत गत वर्ष में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना विशेष पैकेज के रूप में पात्र लाभार्थियों को नियमित अनुदान के साथ ही रु0 500 की 02 किश्तों में रु0 1000 की अतिरिक्त धनराशि भी प्रदान की गयी है।

बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओ योजना– यह योजना भारत सरकार द्वारा शत–प्रतिशत प्रायोजित योजना है। योजना का उद्देश्य गिरते हुए लिंगानुपात में सुधार करना, बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन देना तथा बालिका के प्रति आम जन में सकारात्मक सोच विकसित करना है। यह योजना प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में योजना के अंतर्गत आच्छादित जनपदों द्वारा कुल रु0 10.11 करोड़ व्यय किये गये हैं तथा कुल 1.96 लाख गतिविधियों के माध्यम से 73.60 लाख महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया गया है।

महिला शक्ति केन्द्र– महिला शक्ति केन्द्र योजना महिलाओं को अपने अधिकार प्राप्त करने, जागरूकता, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने हेतु सरकार से सम्पर्क करने के लिये इंटरफेस प्रदान करती है। इस योजना के अंतर्गत वर्तमान में प्रदेश में 64 जनपदों में महिला शक्ति केन्द्रों में स्टाफ का चयन करके संचालन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2020–21 में कुल 37,406 गतिविधियों के माध्यम से 18.46 लाख महिलाओं तथा बालिकाओं को जागरूक किया गया है तथा 12.76 महिलाओं व बालिकाओं को महिला केंद्रित योजनाओं से जोड़ा गया है।

रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष–महिलाओं व बालिकाओं के विरूद्ध होने वाले जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं के प्रति प्रदेश सरकार अत्यंत संवेदनशील है। कोष के अंर्तगत जघन्य अपराध से पीडित महिलाओं व बालिकाओं को 1 लाख से 10 लाख रूपये की आर्थिक क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है। साथ ही निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का भी प्रावधान किया गया है। योजना के अंतर्गत वर्ष 2020–21 में 721 अनुमोदित प्रकरणों के साथ कुल 4937 महिलाओं तथा बालिकाओं को आर्थिक सहायता दी गई है।

मिशन शक्ति अभियान–उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस हेतु में मा0 मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में ''महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सशक्तिकरण व सम्मान'' के उद्देश्यों के साथ ''मिशन शक्ति'' के रूप में वृहद अभियान की शुरुआत शारदीय नवरात्र के अवसर पर 17 अक्टूबर 2020 से की गई है। जिसका संचालन उ0प्र0 महिला कल्याण, पुलिस, सहित 27 विभागों तथा समाज–सेवी संस्थाएं तथा शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया जा रहा है।

महिलाओं तथा बच्चों से सम्बन्धित हिंसा की प्रमुख समस्याओं में घरेलू हिंसा, नशे में मारपीट, छेड़खानी, बलात्कार, यौन हमला, यौन शोषण, यौन दुर्व्यवहार, ऐसिड अटैक, साइबरक्राईम, कार्यस्थल सहित अन्य स्थानों पर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न तथा शोषण, तस्करी, बाल–विवाह, भेदभाव, बालश्रम, आदि शामिल हैं। ''मिशन शक्ति'' के माध्यम से महिलाओं तथा बच्चों से संबंधित इन सभी मुद्दों पर सरकार में शामिल प्रतिनिधियों, विभिन्न विभागों में कार्यरत् अधिकारियों व कार्मिकों सहित जनसामान्य को जागरूक करने हेतु भरसक प्रयास किया जा रहा है। साथ ही इसके माध्यम से प्रदेश में महिलाओं तथा बच्चों विशेषकर बालिकाओं व युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

युवाओं मुख्य रूप से बालिकाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने व उन्हें विभिन्न प्रशासनिक पदों तथा व्यवसायों में शामिल होने हेतु ''प्रशासन की पाठशाला'' का आयोजन भी किया गया और प्रदेश में ''मानसिक स्वास्थ्य व मनोसामाजिक मुद्दों'' के प्रति भी समाज में जागरूकता की गई। महिलाओं की सुरक्षा की दृष्टि से समस्त थानों में ''महिला हैल्प डैस्क'', ''पिंक बूथ'', ''पिंक टायलेट'' तथा ''पिंक स्कूटी'' की शुरूआत भी की गई है। इस अभियान के अन्तर्गत 8.50 करोड़ पुरूषों, महिलाओं, बालिकाओं, जनसामान्य को जागरूक किया गया है। प्रदेश में 'मिशन शक्ति' तृतीय का भी शुभारम्भ प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने किया है जो दिसम्बर, 2021 तक चलेगा।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनान्तर्गत महिलाओं को धुँए से किया गया मुक्त– ग्रामीण जीवन में खाना बनाने के लिए ईधन के रूप में ज्यादातर लकड़ी, कोयले का प्रयोग होता है जिसके धुॅए से महिलाओं के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। देश के प्रधानमंत्री जी ने महिलाओं की इस पीड़ा को महसूस किया और पूरे देश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लागू कर निःशुल्क घरेलू कुकिंग गैस चूल्हा सहित देते हुए महिलाओं को धुॅए से छुटकारा दिलाया। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश में लागू इस योजनान्तर्गत प्रथम चरण में 1.47 करोड़ महिलाओं को निःशुल्क चूल्हा सहित गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया है।

इसका दूसरा चरण भी प्रधानमंत्री जी ने महोबा जिले से आरम्भ कर दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी ने 25 अगस्त, 2021 को प्रदेश की लाखों महिलाओं को एल0पी0जी0 गैस कनेक्शन देते हुए उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य के साथ धुएं से मुक्ति दिलाया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना– भारतीय समाज में गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों, विधवा, तलाकशुदा, परित्यक्त महिलाओं आदि की पुत्रियों की शिक्षा, विवाह हेतु आर्थिक समस्या आती है। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश के ऐसे परिवारों की पुत्रियों की शिक्षा और बालिग होने पर दो पुत्रियों तक के विवाह हेतु 51 हजार रूपये की आर्थिक सहायता देते हुए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की है। जिसमें दाम्पत्य जीवन में खुशहाली एवं गृहस्थी की स्थापना हेतु कन्या के खाते में 35 हजार रूपये, वर्तन कपड़े, बिछिया, पायल हेतु 10 हजार रूपये एवं प्रत्येक जोड़े के विवाह आयोजन हेतु 6 हजार रूपये व्यय की व्यवस्था सरकार द्वारा की जाती है। प्रदेश के अब तक लगभग 1.55 लाख गरीबों की कन्याओं का विवाह कराते हुए लाभान्वित किया है।

महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार में लगाया– प्रदेश के मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि महिलायें आर्थिक रूप से मजबूत होगी तो पूरा परिवार आगे बढ़ेगा। इसीलिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उ0प्र0 राज्य राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत उद्यम, व्यवसाय, पशुपालन आदि के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन कराया जाता है। गठित समूहों को प्रदेश सरकार रिवाल्विंग फण्ड एवं कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराते हुए महिलाओं को रोजगार से लगा रही है। महिला समूहों के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। महिलाएं अपने घरों के कार्य के साथ–साथ समूहों के माध्यम से विभिन्न उद्यमों, व्यवसायों, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन, आदि कार्य करते हुए परिवार की आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। प्रदेश सरकार प्रदेश में 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन कराते हुए एक करोड़ से अधिक महिलाओं को रोजगार से लगाया है। आज महिलाएं स्वावलम्बी हो रही हैं और परिवार को आर्थिक सम्बल प्रदान कर रही हैं। प्रदेश सरकार महिलाओं द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं का विपणन की भी व्यवस्था कर रही हैं। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर हुई हैं।

बी.सी. बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी– ग्रामीण क्षेत्र में घर के दरवाजे पर वित्तीय समावेशन के माध्यम से वित्तीय लेनदेन एवं विभिन्न योजनाओं से ग्राम वासियों को लाभान्वित करने एवं प्रोत्साहित करने की दिशा में ग्राम पंचायतों में विभिन्न बैंकों के माध्यम से पदस्थापित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में 58758 महिलाओं को बैंकिंग कॉरेस्पोंडेंट सखी बनाया है।

प्रधानमंत्री मातृ वन्दना योजना– इस योजना के तहत अब तक प्रदेश में लगभग 40 लाख गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को 1536 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान उनके खातों में करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पर विशेष ध्यान रखा गया है। प्रदेश में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें प्रत्येक ऑगनबाड़ी केन्द्रों से पुष्टाहार का भी वितरण किया जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में महिलाओं को केन्द्र में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) का स्वामित्व घर की महिला मुखिया के नाम से ही योजनाओं में लाभान्वित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने गांवों में बने सभी 58758 सामुदायिक शौचालयों में महिला सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति करते हुए उन्हें रोजगार से लगाया है।

प्रदेश सरकार प्रदेश की महिलाओं को हर स्तर पर सशक्त बना रही है। आज प्रदेश के चतुर्दिक विकास में महिलायें भागीदार बनी हुई हैं।

छात्रवृत्ति की ऑनलाइन आवेदन भरने की अंतिम तिथियां निर्धारित

रायबरेली । अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित अल्पसंख्यक समुदाय के (मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन एवं पारसी) हेतु केन्द्र पुरोनिधानित छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्री–मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति के लिए 18 अगस्त से ऑनलाइन आवेदन करने से लेकर अंतिम तिथियां निर्धारित कर दी गई है। जिसमें जिसमें प्री–मैट्रिक की 15 नवम्बर 2021 अन्तिम तिथि निर्धारित है। इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर 2021 निर्धारित की गई है। अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र–छात्राओं हेतु केन्द्र पुरोनिधानित छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत भारत सरकार की वेबसाईट ेबीवसंतेीपच.हवअ.पद में नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर आवेदन करने वाले छात्र–छात्राएं राज्य सरकार की छात्रवृत्ति ेबीवसंतेीपच.नच.हवअ.पद पर आवेदन नहीं करेंगे। जनपद संचालित समस्त अनुदानितध्मान्यता प्राप्त मदरसोंध्विद्यालयोंध्महाविद्यालयों की प्रधानाध्यापकध्प्रधानाचार्यध्प्राचार्यगण एवं अध्ययनरत छात्र–छात्राएं भारत सरकार की छात्रवृत्ति उक्त वेबसाइट में नेशनल स्कालरशिप पोर्टल पर उपलब्ध सॉफ्टवेयर में दी गयी व्यवस्था व निर्गत समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति हेतु समस्त कार्यवाही ससमय पूर्ण कराना सुनिश्चित करें एवं सम्बन्धित शिक्षण संस्था अपने मदरसेध्विद्यालयध्महाविद्यालय में नियमित रूप से अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के आनलाइन आवेदन पत्र के अग्रसारण की अन्तिम तिथि 15 दिसम्बर 2021 तक कर दें। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुनीता देवी ने दी है।

सोशल आडिट टीमों ने मनरेगा कार्यो का स्थलीय सत्यापन कर किया बारीकियों का अध्ययन

रायबरेली । क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान, रायबरेली में चल रहे सोशल आडिट विषयक तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान मनरेगा एवं प्रधानमंत्री योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चल रहे कार्यों का स्थलीय सत्यापन कर बारीकियों को समझा तथा समूह बनाकर प्रशिक्षण सम्बंधी विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतीकरण देकर ग्रामीण वासियों के साथ आवश्यक पारदर्शिता, सहभागिता एवं जवाबदेही पर चर्चा की। ग्रामीणों द्वारा इस कार्य को खूब सराहा गया एवं कार्यक्रम के दौरान होने वाली विभिन्न भ्रन्तियों एवं समस्याओं की खुलकर टीमों के साथ चर्चा की। संस्थान पर क्लास रुम में विधिवत तीन दिन तक प्रशिक्षण संचालित होने के दौरान संकीर्ती डीसैक, राजेश कुमार (अमावां) एवं बीसैक गायत्री देवी महराजगंज तथा बाह्य वार्ताकारों में अरविन्द कुमार सिंह, बृजपाल, जे0एन0लाल, शिव मोहन सिंह आदि ने प्रशिक्षण देकर टीमों को जागरूक किया। संस्थान पर तैनात प्रशिक्षण प्रभारी एम0एस0 गुप्ता एवं रघुराज द्वारा विधिवत प्रशिक्षण दिया। सत्र प्रभारी एस0के0 बाजपेयी द्वारा संचालन एवं आचार्य अनूप कुमार द्वारा प्रतिभागियों से प्रत्युत्तर प्राप्त कर आशीष वचन देकर संपन्न किया गया।

कैसरबाग रोडवेज शाखा की नई टीम का गठन

लखनऊ। यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के लखनऊ क्षेत्र के अन्तर्गत कैसरबाग डिपो के शाखा के वार्षिक चुनाव में शाखा अध्यक्ष के पद पर रमेश प्रताप सिंह, शाखा मंत्री के पद पर राजेश मिश्रा, उपाध्यक्ष के पद पर ममता साहू, संयुक्त मंत्री के पद पर नेहा श्रीवास्तव, संगठन मंत्री स्वाति मौर्या, कोषाध्यक्ष के पद पर कमर अली एवं रामानन्द सोनकर तथा दिनेश कुमार को क्षेत्रीय प्रतिनिधि पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। चुनाव का संचालन करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष रूपेश कुमार ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि कर्मचारियों का हित सर्वोपरि है। कर्मचारी हमें अपना नेता इसलिए चुनते हैं कि हम उनको शोषण से बचाने एवं उनके हित की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस लिए हमें उनके विश्वास को सदैव मजबूत रखना है। रूपेश कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम इस समय संकट के दौर से गुजर रहा है। आर्थिक परिस्थितियों के कारण निगम को प्राइवेट सेक्टर में ढकेला जा सकता है। इसलिए हम सबको मिलकर निगम की आय बढ़ाने एवं उसके अस्तित्व को बचाने का हर सम्भव प्रयास करना चाहिए। क्षेत्रीय मंत्री सुभाष कुमार के नेतृत्व में चुनाव अधिकारी सत्य प्रकाश सोनकर एवं वसीम सिद्धिकी के देख रेख में चुनाव सकुशल संपन्न हुआ।

मुख्यमंत्री ने पीएम आवास योजना (शहरी) के 2 लाख 853 लाभार्थियों के खाते में 1341.17 करोड़ धनराशि आनलाइन किया हस्तांतरित

रायबरेली । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'हाउसिंग फॉर ऑलश्रम' के लक्ष्य की ओर से एक मजबूत कदम के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 2 लाख 853 लाभार्थियों को रुपये 1341.17 करोड़ की धनराशि का हस्तांतरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से वर्चुअल के माध्यम से संवाद किया। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व उनके पति मुकेश श्रीवास्तव, जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव, नगर मजिस्ट्रेट युगराज सिंह ने जनपद के बचत भवन सभागार में मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारण देखा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 10 लाभार्थियों को आवास की चाभी व प्रमाण पत्र एवं पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि के अन्तर्गत पथ विक्रेताओं को 10ध्20 हजार धनराशि का ऋण वितरण प्रमाण पत्र दिये गये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के आदेश पर वर्ष 2022 तक सभी पात्र गरीबों को आवास दिलाया जाना प्रदेश सरकार का उद्देश्य है। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा अनेक महिलाओं व गरीबों के लिए लाभ परक योजनाओं को लाभ दिलाया जा रहा है जिसका उद्देश्य है कि गरीब व महिलाओं को किसी भी प्रकार को कोई दिक्कत न हो और उसके चेहरों पर खुशहाली आये। भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गरीबों को शासन की प्रमुख योजनाओं में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना (शहरी) एवं (ग्रमीण), प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना, आयुषमान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, अमृता योजना, किशोरी बालिका योजना, आयुषमान कार्ड, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना आदि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तरित जानकारी दी गई तथा शासन द्वारा चलाई जा रही लाभपरक योजनाओं को पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिला रही है।

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 736 लाभार्थियों को प्रथम द्वितीय एवं तृतीय किश्त दी गई है तथा पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि के अन्तर्गत 50 पथ विक्रेताओं को 10 व 20 हजार की ऋण वितरण किया गया।

इस मौके पर कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में परियोजना अधिकारी डूडा मुनेन्द्र कुमार सिंह, नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी डॉ आशीष कुमार सिंह, सूचना से मो0 राशिद अंसारी सहित नगर पालिका परिषद व डूडा के अधिकारीध्कर्मचारी के साथ–साथ बड़ी संख्या में पीएम आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थी उपस्थित रहे।

वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया मोहम्मदाबाद गोहना स्थित बृद्धाश्रम का निरीक्षण

मऊ। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा निर्देशन में तथा माननीय जनपद न्यायाधीश, मऊ महोदय के मार्गदर्शन में मोहम्मदाबाद गोहना स्थित बृद्धाश्रम का निरीक्षण वीडियों कान्फ्रेसिंग के माध्यम से किया गया। बृद्धाश्रम का संचालन स्व0 तपेश्वर राम कल्याण समिति, सैदपुर मोहम्मदाबाद गोहना की एन0जी0ओ0 के माध्यम से किया जाता है। पूछ ताछ में प्रबंधक द्वारा बताया गया कि बृद्धाश्रम में कुल 50 बृद्धजन रह रहे हैं। जिनमें से 45 का वैक्सीनेशन कराया जा चुका है, शेष 5 का वैक्सीनेशन शीघ्र करवाने हेतु प्रबंधक द्वारा आश्वासन दिया गया। पूछ ताछ में बताया कि उपस्थित बृद्धजनों को माता पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरणपोषण तथा कल्याण अधिनियम 2007 के सम्बंध में जानकारी प्रदान किया गया। इसमें विधिक सेवा प्राधिकरण मऊ के सचिव कुॅवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा बताया गया कि कोई भी बृद्धजन अपने पौत्र, दत्तक पुत्र, पौत्री सौतेली संतान से अपनी जीविका चलाने के लिए अपने जीवन चर्या के अनुरुप भरण पोषण की मॉग कर सकता हैं। इसके लिए उप जिलाधिकारी के पास स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र के माध्यम से कार्यवाही की मांग कर सकता है। भरण पोषण अधिकारी, इसके लिए माता पिता का प्रतिनिधित्व कर सकते है। दोषी पाये जाने पर ऐसे संतानों को तीन माह की कारावास की सजा एवं 5 हजार रुपये का जुर्माना या दोनों सजा सुना सकता हैं। इस अधिनियम के अन्तर्गत किये गये अपराध संज्ञेय जमानती होता हैं। वाद के लम्बित रहने के दौरान अधिनियम के अन्तर्गत अंतरिम भरण पोषण का आदेश सक्षम अधिकारी कर सकता हैं और किसी अवहेलना पर वसूली वारण्ट भी जारी किया जा सकता है। जमा की गई धनराशि अदा न करने पर एक माह की सजा की जा सकती हैं। इस अधिनियम के अन्तर्गत माता पिता को दस हजार रुपये की धनराशि भरण पोषण के रुप में दिलाया जा सकता हैं। उप जिलाधिकारी के आदेश से क्षुब्ध पक्षकार जिलाधिकारी के समक्ष 60 दिन के भीतर अपील कर सकता हैं। यदि कोई संतानहीन माता पिता है तो वह ऐसे व्यक्ति से भरण पोषण प्राप्त कर सकते हैं जो उनकी मृत्यु होने पर उनकी सम्पत्ति प्राप्त करेगा। ऐसे व्यक्ति से भी भरण पोषण प्राप्त किया जा सकता है, जिसे यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम के पूर्व अपनी सम्पत्ति का अन्तरण इस शर्त के साथ कर चुका है कि क्रेता को औपचारिक भरण पोषण करते रहने के लिए यदि क्रेता द्वारा भरण पोषण करने की शर्त की अवहेलना की जाती है तो ऐसी स्थिति में बिक्रेता को इस अधिनियम के अन्तर्गत फ्राड या कपट के आधार पर वाद लाने का अधिकार होगा।

निरीक्षण के समय बृद्धजनों ने आयुष्मान कार्ड बनवाने की मॉग की गयी। इस सम्बंध में बृद्धजनों को आश्वासन दिया गया कि दिनांकः 03 सितम्बर 2021 को आधार कार्ड कैम्प लगाया जायेगा। जिसमें आधार कार्ड एवं स्वास्थ्य कार्ड बनाया जायेगा। सभी बृद्धजनों से अपेक्षा की गयी कि वह दिनांक 03 सितम्बर 2021 को उपस्थित रहकर इस कैम्प का लाभ उठाये। निरीक्षण के समय त्रिरत्नशेखर, प्रबंधक, धर्मदेव, अधीक्षक, पवन कुमार सिंह कार्यालय सहायक, सुरैया तवस्सुम, स्टोर कीपर, प्रियंका मौर्या–स्टाफ नर्स, बेचू यादव सेवादार, राजू–सेवादार, धर्मेन्द्र चौहान सेवादार, रामजियावन चौकीदार, राजेन्द्र कुमार चौकीदार, संतोष कुमार–भण्डारी, चन्द्र चौकीदार, संतोष कुमार भण्डारी, नीषा देवी भण्डारी, देवनरायन माली, इरशाद अहमद स्वीपर स्टाफ मौजूद रहे।

नायका ने लांच किया स्किन केयर रेंज

लखनऊ। नायका ने अपने लांच किये गये नये प्रोडक्ट के बारे में मंगलवार को बताया कि उपभोक्ता सौंदर्य ब्रांड पोर्टफोलियो के जबरदस्त नए एडिशन नायका स्किनआरएक्स को अपनाकर आप अपनी बेहतरीन त्वचा पाने की दिशा में एक कदम उठा सकते हैं। बताया कि इसे जेंडर न्यूट्रल सीरम की श्रृंखला के साथ लाया गया है। जिसमें नायका स्किनआरएक्स को विस्तार देने के लिए हर फामुर्ले को वैद्कीय प्रमाणित आवश्यक सांद्रता के साथ रखा गया है, जिसके परिणाम आप खुद देख सकते हैं। नायका ब्रांड्स की सीईओ रीना छाबड़ा ने कहा नायका स्किनआरएक्स के साथ हम अब उन सभी लोगों के लिए शक्तिशाली उच्च प्रदर्शन वाले उत्पादों का एक और पोर्टफोलियो पेश करते हैं जो परिष्कृत त्वचा समाधान चाहते हैं और अपनी त्वचा की जरूरतों के बारे में पूरी तरह से जानते हैं।

बाढ़ प्रभावित गांवो में फसलो का सर्वे कराकर दिया जायेगा मुआवजा: डा0 महेन्द्र सिंह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। बाढ़ प्रभावित गांवो में फसलो का सर्वे कराकर दिया जायेगा मुआवजा यह बाते प्रेसवर्ता के दौरान कही, मंत्री जल शक्ति विभाग (सिंचाई एवं जल संशाधन, बाढ़ नियंत्रण, लघु सिंचाई, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति) उ0प्र0 सरकार डा0 महेन्द्र सिंह की अध्यक्षता एवं बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) उ0प्र0 डा0 सतीश चन्द्र द्विवेदी, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, डुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा गोविन्द माधव, जिलाधिकारी दीपक मीणा, पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह,ने बाढ़ संबधी कार्यो की समीक्षा बैठक पुलिस लाइन सभागार में की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री जलशक्ति विभाग डा0 महेन्द्र सिंह द्वारा नदियो का जल स्तर की जानकारी प्राप्त की गयी।

इसके साथ ही जनपद में बाढ़ राहत केन्द्र तथा 33 बाढ़ प्रभावित तहसीलो तथा बाढ़ के संबध में की गयी कार्यो के बारे में जानकारी चाही गयी। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के सभी तहसीलधविकास खण्ड बाढ़ से प्रभावित है। जिला में बाढ़ प्रभावित गांव 317, मैरूण्ड गांव 115, कृषि क्षेत्र 21001.308 हेक्टेयर बाढ़ से प्रभावित है। जनपद में 69 बाढ़ चौकियां 49 शरणालय है, 71 मेडिकल टीम लगायी गयी है। जनपद की एन0डी0आर.0एफ0 एवं पी0ए0सी0 की टीम सक्रिय है। जनपद में 115 नाव तथा 16 मोटरवोट संचालित है। बाढ़ प्रभावित कुल 5175 निःशुल्क खाद्यान्न पैकेट व 11315 लंच पैकेट व 16972 लीटर पानी का वितरण किया जा चुका है। मंत्री शक्ति डा0 महेन्द्र सिंह ने मानीटरिंग खण्ड विकास अधिकारी अपने स्तर से करेंगे। समस्त विकास खण्डो में बाढ़ कन्ट्रोल रूम स्थापित कराने का निर्देश दिया गया। समस्त विकास खण्डो पर किचन की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया, जिससे कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत वार ग्राम विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित करते हुए गांव में आवश्यक सुविधाएं कपड़ा, लंच पैकेट, प्रकाश की व्यवस्था, मोबाइल चार्ज तथा पीने के लिए पानी आदि मूल व्यवस्थाओं को कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही इन व्यवस्थाओ की अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) को बाढ़ प्रभावित गांवो में फसलो का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने का निर्देश दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मैरूण्ड गांवो में गम्भीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को चिन्हित कर दवाये उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला पंचायत राज अधिकारी को गांवों में फागिंग, साफ–सफाई आदि व्यवस्थाये कराने का निर्देश दिया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में पशुओ के लिए भूसा, हरा चारा एवं पशुओ का सुरक्षित स्थान पर रहने की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि बीट इंचार्ज वायरलेस के साथ निगरानीधगस्त करेगे। इसके साथ ही सभी बन्धो की निगरानी करते रहे। मंत्री ने जिला प्रशासन की सराहना की गयी। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 सन्दीप चौधरी, अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) सीताराम गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक सुरेशचन्द्र रावत, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट ओजस्वी राज, अधिशासी अभियन्ता सिंचाई निर्माण खण्ड, ड्रेनेज खण्ड, विद्युत तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बाढ़ में लोगो की मदद कर रहे है समाज सेवीः अभिषेक त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार के समाज सेवी

अभिषेक त्रिपाठी ने बाढ़ से जूझ रहे नगर पंचायत वासियों के बीच जाकर लाई चना वितरण किए और कहा कि कोई भी समस्या हो तो तुरंत बताए नगर पंचायत उसका बाजार के कृष्ण नगर वार्ड नंबर 12 डीह चौबाहे रेहरवा पूरी तरह से मैरुंड हो गया लोगों को काफी दिक्कते हो रही है समाज सेवी अभिषेक त्रिपाठी ने लोगो को आश्वासन भी दिया और पूरी तरह से मदद का प्रयास करेंगे। समाज सेवी अभिषेक त्रिपाठी, दुबे देब तिवारी, गोपाल, प्रकाश, राजेश टिकरी तिवारी, सुमित, नागेंद्र, सरोज, हरिराम, प्रकाश यादव, विजय यादव पहलवान आदि लोगो ने मिलकर बाटी लाई चना।

भक्तिभाव के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर्व

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर श्रीकृष्ण

जन्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की भव्यता के लिए श्रद्धालु सुबह से पूजन व्यवस्था आदि में लगे हुए थे और शाम होते होते वहां का वातावरण भक्तिमय हो गया। शोहरतगढ़ थाना परिसर में प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र बहादुर सिंह की अगुवाई में विधि विधान से पूजन–अर्चन एवं भजन कीर्तन कर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार यादव सहित उनकी टीम ने थाना परिसर में पूजन अर्चन कर कार्यक्रम की भव्यता और बढ़ा दी। इसके साथ ही थाना परिसर में प्रसाद के रूप में जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। साथ ही शोहरतगढ़ के श्रीराम जानकी मंदिर को पूरी तरह से सजा दिया गया। झांकी एवं जागरण टीम ने भक्तिमय गीतों से लोगों को संगीत की धुन पर थिरकने से मजबूर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीराम जानकी मंदिर कमेटी ने किया। इसके साथ ही शोहरतगढ़ क्षेत्र के नीबी दोहनी, गड़ाकुल, छतहरी, छतहरा, मेंढ़वा, नारायनपुर, परसिया, महदेवा, शिवबाबा पोखरा आदि के मंदिरों को सजा दिया गया। वहाँ श्रद्धालुओं भक्तिभाव से पूजन अर्चन किये। विदित हो श्री कृष्णजन्माष्टमी पर्व पर नगर के विभिन्न वार्डों एवं मंदिरों में सफाई आदि व्यवस्थाओं का जायजा अधिशासी अधिकारी ने लिया था, कमियों पर सम्बंधित को निर्देश भी किया गया, जिससे प्रमुख मार्गों पर साफ सफाई देखने को मिली।

सड़क का शिलान्यास कर सड़क बनाना भूल गया पीडब्लूडी विभाग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।

क्षेत्र के नीबी दोहनी में लगा एक पत्थर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2019–20 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत मिसिंक लिंक नीबी दोहनी से खुनुवा बाईपास मार्ग (शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर) लम्बाई 0.72 किमी0, स्वीकृत लागत–20.77 लाख रूपये से सम्बंधित एक कार्य होना था, जिसका मरम्मत कार्य अभी भी न होने से लोगों में आक्रोश है। आरोप यह भी है कि कार्यदायी संस्था ने मात्र शिलान्यास का बोर्ड लगाकर कार्य को न कराते हुए कथित रूप से पैसे की निकासी कर ली गयी है। विदित हो उक्त शिलान्यास वोर्ड में केशव प्रसाद मौर्य मा0 उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, जगदम्बिका पाल सांसद डुमरियागंज, चौधरी अमर सिंह विधायक का नाम अंकित है। सिद्धार्थनगर, द्वारा 30.01.2020 को लगाया गया, जबकि उक्त कथितरूप से उक्त बोर्ड को प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग बोर्ड को कतिपय लोगों ने 5 जुलाई 2020 को आनन–फानन में लगाकर चले गये थे। ग्रामीण बताते है कि तब से आज तक उक्त परियोजना पर किसी प्रकार का निर्माण कार्य नहीं हुआ है। उक्त के संदर्भ में जिलाधिकारी दीपक मीणा से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नही हो पायी।

- **वित्तीय वर्ष 2019-20 की परियोजना पत्थर पर उपमुख्यमंत्री, सांसद व विधायक का है नाम**
- **कही बिना मरम्मत निर्माण के ही पैसा हड़पने की जुगाड़ में नही है पीडब्ल्यूडी विभाग**

विधायक ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बांटी राहत सामाग्री

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। स्थानीय विधायक चौधरी अमर सिंह ने क्षेत्र के मिठवनियाँ, पकड़ीहवा कला, पकड़ीहवा खुर्द, ग्राम खैरीशीतल प्रसाद, भैंसाहि जंगल, ककरा भैंसाहि, मटियार, झुगहवा,अमहवा आदि बाढ़ग्रस्त गाँवो की स्थिति का जायजा लिया एवं साथ में राहत सामग्रियोंध्दवाओं का वितरण करवाया। साथ ही अधिकारियों से वार्ता कर तत्काल अन्य जरूरत के सामग्री तथा ग्रामीणों के आवागमन हेतु नाव उपलब्ध कराने का निर्देश दिया एवं मौके पर जिलाधिकारी एवं तहसील प्रशासन से वार्ता कर नुकसान हुए फसलों हेतु संबंधित ग्रामों को मैरुण्ड घोषित करवाने का निर्देश दिया। इस दौरान शिवचंद्र भारती, रामदास मौर्य, लालजी चौधरी, अजय यादव, विजय सिंह, मनीराम मोछू काका, गामा मिश्रा, अखिलेश, रमेश वर्मा, बलराम जायसवाल, मंगेश यादव, वीरेंद्र चौधरी, गोविंद निषाद, झबलु बाबा, नितिन मौर्य, कल्लू प्रधान, राकेश यादव, दिनेश चौधरी, राकेश मोटे आदि मौजूद रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया ग्राम पंचायत सचिवों के साथ बैठक

जल निगम के अवर अभियन्ता को मिला चेतावनी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। पाइप पेयजल योजनान्तर्गत जनपद की 100

परियोजनायें जिसमें कुल 89 परियोजनाएं अनुरक्षाधीन एवं 11 निर्माणाधीन परियोजनाओ से संबधित ग्राम पंचायत सचिवध्ग्राम प्रधान के साथ मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में लोहिया कलाभवन में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग ने ग्राम प्रधानो को अवगत कराया कि अधिकांश पाइप पेयजल परियोजनाओ में पाईप लीकेज, आर0सी0सी0रोड आदि टूट जाने की दशा में मरम्मत न कराये जाने से संबधित कमियो के संबध में अवगत कराया गया। जिला विकास अधिकारी तथा अधिशासी अभियन्ता जल निगम द्वारा समीक्षा के दौरान जो परियोजनाएं ग्राम पंचायत को जल निगम द्वारा हस्तान्तरित कर दी गयी है उसकी मरम्मत एवं रख–रखाव का कार्य ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम पंचायत के संसाधन से कराये जाने का निर्देश दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी पुलकित गर्ग ने पाईप पेयजल योजना में अधिकतम परियोजनाएं पाईप लीकेंज एवं निर्माण के दौरान आर0सी0सी0रोड तोड़े जाने के उपरान्त मरम्मत न कराया जाना तथा ग्राम प्रधान द्वारा समन्वय स्थापित न किया जाना। जल निगम के अवर अभियन्ता द्वारा इसे अनदेखा कर लापरवाही बरते जाने की दशा में इन्हें चेतावनी देते हुए 02 माह के अन्दर सुधार किये जाने हेजु निर्देशित किया गया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, ग्राम पंचायत सचिव तथा संबधित ग्राम प्रधान उपस्थित थे।

सपा छात्रसभा समीक्षा बैठक में सरकार बनाने पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सपा छात्रसभा जिलाध्यक्ष विष्णु उमर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर फ्रंटल संगठन छात्रसभा की जिलास्तरीय संगठन विस्तार एवं समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के मुख्य अतिथि रहे छात्र सभा प्रदेश उपाध्यक्ष ओम नारायण यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी उत्तर प्रदेश का चुनाव, चुनाव नहीं बल्कि एक चुनौती है। आज देश बहुत ही विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। ऐसे में हमारे नौजवान पदाधिकारियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। कार्यकर्ता अपने प्रत्येक बूथों पर 10 यूथ को जोड़कर अपने प्रत्येक बूथो को मजबूत करने का काम करें तभी हमारा नारा, समझ लीजिए कि हमने अपने

हमारा बूथ... सबसे मजबूत, सार्थक होगा।

कार्यकर्ताओं को उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि देश और प्रदेश में परिवर्तन लाने के लिए और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए हमारा बूथ जीतना जरूरी है। अगर हमने अपना बूथ जीत लिया तो नेता को और अपनी पार्टी को जीता दीया। जिलाअध्यक्ष विष्णु उमर ने कहा कि सभी छात्रसभा के साथी आज ही से अपने अपने गांव और अपने अपने बूथो पर लग जाए और इस परिवर्तन की लहर को आंधी और तूफान में बदलने का काम करें। समीक्षा बैठक में पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र भी बांटा गया। छात्रसभा जिला कार्यकारिणी में वकार मोइज खान को जिला सचिव व राहुल यादव को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। समीक्षा बैठक कार्यक्रम को उग्रसेन प्रताप सिंह, वीरेंद्र तिवारी, कपिल मुनी यादव, अनूप त्रिपाठी, वकार मोइज खान, राहुल यादव, मोहम्मद शहजाद, शशांक शेखर त्रिपाठी, अंबिकेश श्रीवास्तव, हरिनायरण यादव आदि ने संबोधित किया। समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप गोलू मिश्रा, शहजाद खान, दीपक कांदू, राहुल पांडेय, विजय यादव, सदाम शाह, रामसरुप पांडेय, सैफ फारूकी, अजीम खान, असफाक अहमद, अजहर खान, हारून, राकेश दुबे, अभिषेक यादव आदि मौजूद रहे।

नगर पालिका परिषद बांसी में लगे रोड नहीं तो वोट नही के बैनर

सिद्धार्थनगर। बांसी राप्ती नदी बांसी के बढ़ते जलस्तर से नगर पालिका परिषद बांसी के प्रतापनगर वार्ड में जीवन अस्त व्यस्त। मोहल्ला प्रताप नगर में राजनैतिक पार्टी के नेताओं का बहिष्कार कर रोड नहीं तो वोट नहीं नगर वासियों द्वारा बैनर मोहल्ले में लगा दिया गयाए प्रतापनगर मोहल्ले में एक हफ्ते करीब डेढ़ से दो फीट पानी भरा हुआ है नगर पालिका द्वारा लोगों को आने जाने में ट्रैक्टर की व्यवस्था की गई है वहीं पर नगर वासियों का कहना है कि इसके अलावा नगर पालिका व प्रशासन से कोई भी समुचित व्यवस्था नहीं की गई है और मोहल्ले में गंदगी का भरमार भरा हुआ है।

आज होगा महिला जनसुनवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। माह सिंतबर 2021 के प्रथम बुधवार दिनांक 01.09.2021 को मिशन शक्ति फेज–3 के अंतर्गत महिलाओं से संबंधित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक जागरूकता शिविर तथा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या श्रीमती इन्द्रवास सिंह की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग रेस्ट हाउस, सिद्धार्थ नगर में आयोजित किया जाएगा।उक्त आशय की जानकारी अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) सीताराम गुप्ता ने अपनी एक विज्ञप्ति के माध्यम से दिया है।

थाना परिसर त्रिलोकपुर में भक्तिगीतों से सराबोर हुए श्रोता

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। थाना परिसर त्रिलोकपुर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में कृष्ण जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुई प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ सतीश दिवेदी नें दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया ततपश्चात कार्क्रम में आये हुए जागरण के कलाकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के आयोजक प्रभारी निरीक्षक रणधीर कुमार मिश्र ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम का आयोजन पुलिस और जनता के बीच की दूरियों को मिटाने के लिए किया जाता है जिससे वे अपनी बातों को पुलिस के समक्ष रखने में किसी प्रकार का संकोच महसूस न करें और दोनों के बीच किसी भी प्रकार की दूरियाँ शेष न रहें। जागरण कलाकार सुनील ओझा के भक्तिगीत "काली कमली वाला मेरा यार है, मेरे मन का मोहन तूँ दिलदार है" ने पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया। सारी रात लोग भक्तिगीतों में खुद को सराबोर करते रहे। अन्य लोगों ने भी अपनी अपनी रचनाओं के माध्यम से शमा बांधे रखा। भक्ति गीतों से श्रोता मंत्रमुग्ध होते रहे। इस अवसर पर लखी चन्द, प्रमोद पांण्डेय, रमाकांत सरोज, अजय कुमार सिंह, गजानन्द पांण्डेय, अख्तर, सतीश यादव, रमाज्ञा यादव, हरी प्रसाद शर्मा, राम सुरेश सिंह सहित पुलिस स्टाफ की कार्यक्रम में भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम में थानाक्षेत्र के शत्रुघ्न मिश्रा, मथुरा प्रसाद यादव, मार्कंडेय पाण्डेय, सुधीर त्रिपाठी, दुर्गेश मिश्रा, प्रभात जयसवाल, कुंवर मिश्रा,अजय गुप्ता, विजयपाल चतुर्वेदी, अनूप पांण्डेय, राज श्रीवास्तव, मुकेश गौतम आदि लोगों उपस्थित रहे।

साप्ताहिक बंदी हटते ही फिर से लौटने लगी बढ़नी बाजार की रौनक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। फिर धीरे धीरे लोगो का आना बाजार में बढ़ता दिखाई दे रहा है। और दुकानदारों का रोजगार भी पहले ठीक होता नजर आता दिखाई पड़ रहा है। लोगो का काम वा व्यापार फिर पटरी पर आता दिखाई दे रहा है। कुछ दुकानदारों से बात की तो उन्होंने बताया कि क्रोना वायरस के डर और बंदी के कारण ग्राहकों का आना काफी काम हो गया था। रोजगार बिल्कुल बहुत कम हो चुका था। पर अब पहले की अपेक्षा बहुत ही सुधार हुए है। ग्राहक की संख्या अब बाजार में बढ़ाने लगी है। और बिक्री में (छवि 109.रचह) भी पहले से अब काफी हद तक सुधार होता जा रहा है।

सम्पादकीय

हमें गर्व हो कि हम भारतीय हैं

यूरोप के मध्यकालीन केथोलिक शासकों के जुल्मों की कहानियां रोंगटे खड़े कर देती हैं। हिटलर के राज में यहूदियों का जीवन कितना नारकीय हो गया था ? आज भी चीन के उइगर मुसलमानों, रूस के चेचन्या मुसलमानों और फ्रांस और जापान के विधर्मियों के साथ जैसी ...

गुजरात के उप–मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कल अपने एक भाषण में बड़ी विचारोत्तेजक बहस छेड़ दी। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि भारत में हिंदुओं की बहुसंख्या नहीं होती तो क्या होता ? उन्होंने कहा कि यदि वैसा होता तो देश में न कोई धर्म–निरपेक्षता होती, न कानून का राज होता, न संविधान होता और न ही कोई मानव अधिकार होते। पटेल के इस कथत का आंतरिक अर्थ यह हुआ कि भारत हिंदू राष्ट्र है। इसीलिए यह वैसा है जैसा कि ऊपर बताया गया है। इसी कथन का दूसरा पहलू यह है कि दुनिया के जिन राष्ट्रों में दूसरे मजहबियों का बहुमत है, वहां की शासन–व्यवस्थाओं में वे सभी खूबियाँ नदारद हैं, जो भारत में हैं। नहीं, ऐसा नहीं है। यूरोप और अमेरिका जैसे राष्ट्रों में हिंदू बहुसंख्या में नहीं हैं लेकिन उदारता के वहां वे सब लक्षण विद्यमान हैं, जो भारत में हैं। लेकिन पटेल का इशारा कुछ दूसरी तरफ है। उनका असली प्रश्न यह है कि यदि भारत मुस्लिम बहुसंख्यक देश होता तो क्या यहां वे सब स्वतंत्रताएं होतीं जो आज हैं ? उन्होंने साथ–साथ यह भी कह दिया कि भारत के मुसलमान और ईसाई देशभक्त हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। उनका यह कथन बिल्कुल सही है। मुस्लिम देशों के बारे में उन्होंने जो कहा है, वह बहुत हद तक सही है लेकिन उसके कुछ अपवाद भी हैं। इसमें शक नहीं कि दुनिया के ज्यादातर मुस्लिम देशों में आज हजार–डेढ़ हजार साल पुराने अरबी कानून इस्लाम के नाम पर चल रहे हैं। जो क्रांतिकारी आधुनिकता पैगंबर मोहम्मद खुद लाए थे, गएकृबीते अरबी कानूनों और परंपराओं में, उस आधुनिकता की प्रवृत्ति पर आज भी कई इस्लामी देश आँख मूंदे हुए हैं लेकिन मैंने स्वयं अफगानिस्तान, ईरान, दुबई, ईराक और लेबनान जैसे देशों में अब से 50–55 साल पहले अपनी आंखों से देखा है कि उन देशों में कई लोगों की जीवन–पद्धति भारतीय भद्रलोक से भी ज्यादा आधुनिक थी।

इन देशों के गैर–इस्लामी लोग कुछ अतियों की शिकायत जरुर करते थे लेकिन कुल मिलाकर वे भारत के अल्पसंख्यकों की तरह खुश दिखाई पड़ते थे। यहां तक कि जिन्ना और भुट्टो के मंत्रिमंडल में कुछ हिंदू भी थे। अफगान बादशाह अमानुल्लाह की सरकार में कई हिंदू काफी बड़े पदों पर रहे हैं। लेकिन यह सच है कि भारत–जैसी धर्म–निरपेक्षता दुनिया में कहीं नहीं रही हैं। स्पेन में महारानी ईसाबेल ने मस्जिदों का और तुर्कों ने गिरजों का क्या हाल किया था ?

यूरोप के मध्यकालीन केथोलिक शासकों के जुल्मों की कहानियां रोंगटे खड़े कर देती हैं। हिटलर के राज में यहूदियों का जीवन कितना नारकीय हो गया था ? आज भी चीन के उइगर मुसलमानों, रूस के चेचन्या मुसलमानों और फ्रांस और जापान के विधर्मियों के साथ जैसी निर्मम सख्ती हो रही है, क्या वैसी भारत में हो रही है या कभी हुई है क्या ? शिया ईरान के सुन्नी मुसलमानों, सुन्नी पाकिस्तान के शिया मुसलमानों और सुन्नी अफगानिस्तान के शिया हजाराओं के साथ जैसा व्यवहार होता है क्या हिंदुस्तान के अल्पसंख्यकों के साथ वैसा व्यवहार होता है? हम लोगों को, चाहे हम हिंदू हो, मुसलमान हों, ईसाई हों, हमें गर्व होना चाहिए कि हम भारतीय हैं।

तात्कालिक हितों से आगे

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के सत्र को संबोधित करते हुए भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया का ध्यान इस तथ्य की ओर खींचा कि अफगानिस्तान में सुरक्षा और मानवाधिकार का कितना बड़ा मसला खड़ा हो रहा है। उसने हर हाल में यह सुनिश्चित करने की जरूरत बताई कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल लश्कर–ए–तैयबा और जैश–ए–मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अन्य देशों के खिलाफ न कर सकें। गौर करने की बात है कि जहां इस क्षेत्र के कुछ अन्य देश अपने नजरिए को अपने संकीर्ण और तात्कालिक हितों तक सीमित रखते हुए तालिबान से करीबी बनाने में लगे हुए हैं, वहीं भारत खुद को संयत रखते हुए न केवल अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है, बल्कि देश दुनिया की वृहत और दूरगामी चिंता को स्वर दे रहा है।

चाहे संयुक्त राष्ट्र के अलग–अलग मंचों का उपयोग करने का सवाल हो या विभिन्न मित्र देशों से बातचीत का– भारत ने हर मौके का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने की कोशिश में किया है कि अफगानिस्तान दुनिया भर में तबाही फैलाने का नया केंद्र न बने और न ही वहां के नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन बिताने में कोई स्थायी बाधा खड़ी हो। कुछ हलकों से यह सवाल उठाया गया है कि भारत सरकार अफगानिस्तान के सवाल पर कुछ बोल क्यों नहीं रही। लेकिन यह समझे जाने की जरूरत है कि अफगानिस्तान में अभी घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है और यह साफ नहीं हो रहा है कि वहां आखिरकार स्थितियां क्या आकार लेने वाली हैं। तालिबान ने अपनी तरफ से कुछ पदों पर नियुक्तियों की घोषणा जरूर की है, लेकिन सरकार अभी वहां बनी नहीं है। देखना होगा कि तालिबान अकेले अपनी सरकार घोषित करते हैं या हामिद करजई जैसी किसी शख्सियत को प्रमुख बनाते हुए अपने प्रभाव वाली सरकार बनाते हैं या विभिन्न समूहों को मिला–जुलाकर कोई संयुक्त राष्ट्रीय सरकार बनाई जाती है। इसके बाद ही संबंधित सरकार को लेकर कोई रुख कायम किया जा सकता है। फिलहाल पहली जरूरत यही है कि जो लोग वहां फंसे हुए हैं और निकल कर भारत आना चाहते हैं, उनके सुरक्षित निकल आने की व्यवस्था की जाए। यह काम लगातार किया जा रहा है।

यह भी अच्छी बात है कि सरकार ने गुरुवार को अफगानिस्तान के सवाल पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अपने देश में विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों पर राजनीतिक सर्वमान्यता की परंपरा रही है। इस परंपरा को कायम रखते हुए विपक्ष को विश्वास में लेने की सरकार की यह पहल सराहनीय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस सर्वदलीय बैठक से उभरीं भारत सरकार की नीतियां न केवल अफगानिस्तान को झंझावात के मौजूदा दौर से निकलने में मदद करेंगी बल्कि वहां की नई सरकार को भारत की चिंताओं का सम्मान करने को भी प्रेरित करेंगी।

सरकार क्यों लीज पर देने जा रही है संपत्ति

मसलन, 2.86 लाख किलोमीटर लंबे देशव्यापी अश्वप्टिकल फाइबर नेटवर्क की लीज से 26,300 करोड़ आने की उम्मीद की गई है। यह रकम 9 लाख रुपये प्रति किलोमीटर से भी कम पड़ रही है, जो एक तरह से अपनी संपत्ति को मिट्टी के मोल निकाल देने जैसा ही है। देखें, कितना पैसा इससे जुटता है, कितनी नौकरियों की भरपाई हो पाती है...

चंद्रभूषण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी संसाधनों को लीज पर देकर अगले चार वर्षों में छह लाख करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) नाम की यह योजना इसी साल लाने की बात उन्होंने इस बार के अपने बजट भाषण में कही थी। एनएमपी का सीधा संबंध पिछले साल घोषित नैशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) से है। एनआईपी सौ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की एक बृहद इन्फ्रास्ट्रचर योजना है, जिसको अभी 111 लाख करोड़ रुपये की बताया जा रहा है। दरअसल, मोदी सरकार बहुत बड़े आंकड़ों के जरिये दुनिया को यह संकेत देना चाहती है कि भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर कुछ वैसा ही घटित हो रहा है, जैसा 1930 के दशक में अमेरिका में हुआ था, या फिर पिछले तीसेक वर्षों में चीन में हुआ है। क्या पैसा आएगा?: इसके लिए 100 करोड़ रुपये से ऊपर की 7320 ढांचागत परियोजनाओं को एक ही सूची में डाल दिया गया है और इनको अमल में उतारने का काम केंद्र सरकार (39 प्रतिशत), राज्य सरकारों (40 प्रतिशत) और प्राइवेट सेक्टर (21 प्रतिशत) को मिलकर करना है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन इसी के लिए पैसा जुटाने की एक कवायद है। यह योजना अभी घोषित तो हो गई है लेकिन इससे पैसे कितने आएंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। एनआईपी के लिए सरकारी धन एनएमपी के अलावा सरकारी खजाने और विनिवेश से आना है। इसमें सरकारी खजाने का भरना या खाली रहना अर्थव्यवस्था की गति और उससे होने वाले टैक्सेशन पर निर्भर करता है। लेकिन एनएमपी और विनिवेश से, यानी सरकारी परिसंपत्तियों को निजी उपयोग के लिए देने पर आने वाले पैसों को लेकर कुछ समझ बनानी हो तो पिछले साल के एक आंकड़े पर गौर कर सकते हैं।

सन 2020 के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने विनिवेश के जरिये अगले (अभी पिछले) वित्त वर्ष में 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की थी। लेकिन वास्तव में खींच–तानकर यह रकम 19,499 करोड़ रुपये तक पहुंच पाई, जो लक्ष्य का बमुश्किल 9 फीसदी था। इस हकीकत को ध्यान में रखकर ही मौजूदा वित्त वर्ष में विनिवेश का लक्ष्य 1 लाख 75 हजार करोड़ रखा गया। हालात तब से अब तक कुछ सुधरे जरूर हैं, पर इतने नहीं कि इस वित्त वर्ष के बचे हुए सात महीनों में एनएमपी के मद में 88 हजार करोड़ रुपये और जुटाए जा सकें। तो एक मामला नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन से जुड़े लक्ष्यों के यथार्थपरक होने से जुड़ा है। लेकिन लोगों में चर्चा इस बात की ज्यादा है कि सरकार इतने लंबे समय में खड़े किए गए महत्वपूर्ण संसाधनों को औने–पौने किसी को भी बेच देने पर आमादा है। विनिवेश के मामले में ऐसा हमने बार–बार होते देखा है। मोदी सरकार इस किस्से को ज्यादा तूल न पकडने देने को लेकर सतर्क है लिहाजा वित्त मंत्री ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोर देकर कहा कि एनएमपी में ब्राउनफील्ड यानी पहले से खड़े संसाधन प्राइवेट सेक्टर को लीज पर दिए जाएंगे। उन्हें बेचा नहीं जाएगा, उनका स्वामित्व सरकार के ही पास बना रहेगा। ये संसाधन कौन से हैं? सबसे ज्यादा सड़कें (कुल संभावित रकम का 27 प्रतिशत), फिर रेलवे (25 प्रतिशत), बिजली (15 प्रतिशत), तेल और गैस पाइपलाइनें (8 प्रतिशत) और टेलिकॉम (6 प्रतिशत)। बचे 19 प्रतिशत में हवाई अड्डे, बंदरगाह, गोदाम और स्पोर्ट्स स्टेडियम वगैरह शामिल हैं। ध्यान रहे, इन ढांचागत संसाधनों का काफी बड़ा हिस्सा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बिल्ड–ऑपरेट–ट्रांसफर की शर्तों से बंधा हुआ है। ऐसे मामलों में तो कोई लीज भी नहीं है फिर भी सारा कुछ बिल्ड–ऑपरेट में उलझा रह जाता है, ट्रांसफर की नौबत ही नहीं आती। एक छोटा सा उदाहरण दिल्ली और नोएडा को जोडने वाले एक पुल का ले लें। इसे बनाने वाली कंपनी ने अपनी लागत और मुनाफा काफी पहले निकाल लिया, फिर नोएडा टोलब्रिज नाम से शेयर बाजारों में अपना रजिस्ट्रेशन भी करा लिया। सड़क और पुल का मालिकाना सौंपने की बात यूपी सरकार की ओर से ही आ सकती थी, लेकिन कंपनी ने उसी को मैनेज कर लिया था। साल दर साल उसकी टोल वसूली चलती जा रही थी। हारकर कुछ नागरिक मामले को अदालत में ले गए तो वहां भी मुकदमा लंबा खिंचने लगा। फिर एक दिन फैसला आ गया कि कंपनी अपनी वसूली पूरी कर चुकी है, अब वह अपना टोल हटा ले। उसके बाद भी कुछ समय तक टोल चलता रहा। फिर लोगों ने जमा होकर उसे हटवाया तो बात बनी। मिट्टी के मोल संपत्तिः कोई नहीं जानता कि छह लाख करोड़ जुटाने के लिए सरकारी संसाधन जब लीज पर दिए जाएंगे तो यह लीज कितने साल की होगी। निश्चित रूप से यह अवधि काफी लंबी होगी क्योंकि ये संसाधन किसी प्राइवेट पार्टी को अभी की हालत में अतिरिक्त पैसे नहीं देने वाले। इन्हें प्रॉफिटेबल बनाने के लिए उसे इनके इर्दगिर्द कुछ और ढांचे खड़े करने होंगे। मसलन, एक टोलदार सड़क से अतिरिक्त कमाई करने के लिए सड़क किनारे की जगहों का बेहतर उपयोग करना होगा– जैसे उन्हें ढाबों और मनोरंजन की जगहों के लिए सब–लीज पर देना। लेकिन ऐसे काम लंबी लीज की मांग करते हैं। सरकारें संसाधनों का मालिकाना अपने हाथ में बने रहने की बात जरूर करती हैं लेकिन यह एक हवा–हवाई मामला ही हुआ करता है। एक जमीन को 99 साल की लीज पर देने के बाद उस पर अपने मालिकाने की बात आप पांच पीढ़ी आगे के लिए कर रहे होते हैं, जब दुनिया कुछ की कुछ हो चुकी होगी। यहां सौदे को आकर्षक बनाने के लिए सरकार के पास अकेला रास्ता उसे सस्ते से सस्ता रखने का है।

आत्मसम्मान एवं आत्मबोध का गौरव कराती, आदिवासी संस्कृति

आज जब औद्योगिक विकास के लिए खनिज सम्पदा और जंगल–पहाड़ के इलाके राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के लिए अनिवार्यतरू उपयोगी माने जा रहे हैं और ये सारी सहूलियतें इन्हीं आदिवासी अंचलों में सुलभ हैं तो क्या क्षेत्रीय या राष्ट्रीय हितों के लिए 10 प्रतिशत आदिवासियों को विस्थापित कर उनकी अपनी जीवन शैली, समाज– संरचना, सांस्कृतिक मूल्यों में बलात वंचित कर किया जाए ? यानी आज...

विकास कुमार

आज विकास की इस घुड़दौड़ ने मानवीय मूल्यों और अपने अतीत में व्यतीत किए हुए उन क्षणों को भूलता जा रहा है। किसी भी समाज का अतीत बहुत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि चेतना का संचार और आत्म गौरव की प्रतिष्ठा का विकास उसी से होता है। इसका तात्पर्य नहीं लिया जाना चाहिए ,शुद्ध अतीतवादी होने में तार्किक एकता नहीं हो सकती है और आधुनिक होने में भी तार्किकता नहीं हो सकती है। दोनों अपने समय और परिस्थितियों के आधार पर मनुष्य द्वारा विकास के पैमाने को प्रतिष्ठित करने के लिए इन शब्दों को विभिन्न रूप से विलक्षण शब्दावली के साथ गढ़ा गया है । आदिवासी संस्कृति और समाज एक ऐसा समाज है जो अपने आत्म सम्मान और गौरव के लिए जाना जाता है एक ऐसा समाज जिसमें परिवर्तन तो होता है ,परंतु वह सांस्कृतिक मूल्यों के साथ किसी भी रूप में समझौता नहीं करते। उनकी संस्कृति और सभ्यता की एक अमिट छाप जो किसी को भी आकर्षित करने , सीखने और सिखाने के लिए उत्प्रेरित करती है। परंतु यह भी विवाद का विषय है कि आखिरकार मुख्यधारा वाला व्यक्ति किसे माना जाए क्या आज पूंजीवादी और उपभोक्तावादी आधुनिकता की घुड़दौड़ वाली जिंदगी को मुख्यधारा वाला माना जाए ? या प्रकृति के सुरम्य वातावरण में निवास करने वाले उस मनुष्य को मुख्यधारा वाला व्यक्ति माना जाए जो सदैव कर्मशील और आत्मसम्मान से ऊर्जावान होता है। आज विकास के नाम पर उनके कई प्रकार की पहचानों और संस्कृति को नष्ट किया जा रहा है।आदिवासी समाज में कई प्रकार की रीति रिवाज और कथाएं प्रचलित होती हैं, परंतु एक बार जो उन सबमें स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है ।वह है प्रकृति प्रेम। यद्यपि , आदिवासी समाज प्रकृति पर निर्भर है फिर भी वह प्रकृति का दोहन सिर्फ इतना करता है कि हमारे आगे आने वाली पीढ़ी को भी समस्या का सामना ना करना पड़े । शायद ! सतत विकास की प्रक्रिया आधुनिक मनुष्य ने उसी से सीखी होगी। उनका एक लंबा गौरव और इतिहास है । जिसमें उनके योगदान को स्वतंत्रता के समय और स्वतंत्रता के बाद के समय के रूप में बस नहीं देख लेना चाहिए। संरक्षित संस्कृति और अपने मूल्यों से समझौता न करने वाले समाज के रूप में भी उन्हें देखे जाने की आवश्यकता है। आज तथाकथित मुख्यधारा वाली समाज यह सरकारें उनके विकास के लिए एवं विकसित करने के लिए करोड़ों अरबों रुपए खर्च कर रहे हैं। यह तो उचित प्रतीत होता है परंतु उनके प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और व्यापक संख्या में उनका पुनर्वास यहां नया प्रश्नचिन्ह खड़ा हो जाता है। उनकी समाजों में कई प्रकार की ऐसे रीति रिवाज प्रचलित हैं जो आधुनिक दृष्टिकोण से ठीक नहीं लगते, परंतु उसके पीछे भी तार्किकता है और एक ऐसी जीवन शैली है जिसको विचार और मंथन किए जाने की आवश्यकता है। जैसे– फसल तैयार हो जाती है तो एक आदिवासी समाज में यह चलन है कि पहली फसल का दाना एक चबूतरे में एकत्रित होकर उसको पहले पूजा या प्रतिष्ठान करते हैं। इसके बाद ही उपयोग करते हैं। मध्यप्रदेश में और छत्तीसगढ़ में ऐसी बहुत सी जनजातियां है ।जो इस बात के लिए जानी जाती है कि भटके हुए व्यक्तियों को जंगल का सही रास्ता दिखाती है और उनके अधिक भटकाव को कम करते हैं साथ ही अपने निजी प्रबंधन के द्वारा उनको घर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी में उठाते हैं।

आज जब औद्योगिक विकास के लिए खनिज सम्पदा और जंगल–पहाड़ के इलाके राष्ट्रीय अर्थ व्यवस्था के लिए अनिवार्यतरू उपयोगी माने जा रहे हैं और ये सारी सहूलियतें इन्हीं आदिवासी अंचलों में सुलभ हैं तो क्या क्षेत्रीय या राष्ट्रीय हितों के लिए 10 प्रतिशत आदिवासियों को विस्थापित कर उनकी अपनी जीवन शैली, समाज– संरचना, सांस्कृतिक मूल्यों में बलात वंचित कर किया जाए? यानी आज यह सर्वोपरी आवश्यकता दिख रही है कि विकास की मौजूदा अवधारणा की एक बार फिर समीक्षा की जाए और नई आधुनिक व्यवस्था में जनजातीय समूहों के मानवीय अधिकारों की समुचित अभिरक्षा की जाए।

तभी जनजातीय संस्कृति या उसकी परंपरा के विषय में हमारी चिंता को एक वास्तविक आधार सुलभ होगा। अन्यथा की स्थिति में इस उपभोक्तावादी समाज में उनके सांस्कृतिक मूल्य और जीवन शैली की पहचान को क्षति पहुंचेगी। बहुत से आदिम कबीलों में विवाह –विच्छेद और पुनर्विवाह का नियम है। इस संबंध में प्रायरू स्त्री और पुरुषों के समान अधिकार होते हैं, क्योंकि बहुत से समुदाय ऐसे हैं, जिनमें लड़का और लड़की को समान रूप से एक दूसरे को चुनने का समान अधिकार होता है। कई आदिवासी समुदायों में मातृसत्तात्मक प्रथा है तो कई समुदायों में पितृसत्तात्मक– बावजूद इसके भी दोनों को समान अधिकार होता है। मध्य भारत में कुछ समुदायों में श्घोटुलश जैसी प्रथा प्रचलित है। इनमें प्रायरू दहेज प्रथा जैसी आधुनिक समस्याओं का चलन नहीं है। भारत की जनसंख्या का लगभग 8. 6त्न (10 करोड़) एक बड़ा भाग आदिवासियों का है। आज पूरे दुनिया में लगभग 90 देशों में 47.6 करो मूलनिवासी रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी इनकी संस्कृत के संरक्षण के लिए प्रत्येक वर्ष कुछ विषय रखकर खास दिवस और त्योहार मनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। आदिवासी भारतीय अर्थव्यवस्था को कई आधार पर मजबूत रखते हैं । साथ ही आम नागरिकों के उन कई प्रकार की आवश्यक वस्तुओं को जुटाने का काम करते हैं जो बहुत ही जीवन के लिए उपयोगी है। भारतीय संविधान के भाग 8 में संथाली और बोडो दो आदिवासी भाषाओं को रखा गया है। संविधान के अनुच्छेदों में उनके लिए आरक्षण एवं अपनी पहचान को सुनिश्चित करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इतने अधिकार ,योजनाओं और परियोजनाओं के पश्चात भी आज उनकी स्थिति में इतना बदलाव क्यों नहीं हुआ जितने की अपेक्षा की गई थी? कई प्रकार की नीतियों और लाभों से वंचित कैसे रह गए? यही कारण है कि उनमें कई प्रकार के असंतोष जन्म ले रहें हैं जिसका कारण उनके संपूर्ण अधिकार और योजनाओं का पूर्णतया लाभ ना मिल पाना ही हो सकता है। उनके संस्कृति को और पहचान हो संरक्षण देने की आवश्यकता नहीं है। इतने संबल है कि अपने मूल्यों को संरक्षित कर सकते हैं। भारत की जेलों में सबसे ज्यादा निर्दोष आदिवासी समाज के लोग ही सजा काट रहे हैं। यह संख्या केवल मध्यप्रदेश में 10,000 से अधिक है, उन पर जुर्म लगाने का आधार छोटा कारण होता है। क्योंकि एक बात तो स्पष्ट है कि आदिवासी समाज को सर्वाधिक किसी से प्रेम होता है तो वह होता है जमीन और जंगलों से। अयोध्या सिंह की पुस्तक से यह प्रमाणित होता है कि आदिवासियों ने ब्रिटिश शासन का बहिष्कार करना और उनके खिलाफ संघर्ष करना ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना के समय से ही प्रारंभ कर दिया था। उन्होंने कुल छोटे–बड़े 125 युद्ध अंग्रेजों के साथ लड़े। उनकी संस्कृति और सभ्यता अनोखी संस्कृति है जो अविरल है। आज भी आधुनिक मनुष्य को बहुत कुछ सिखाती है। आवश्यकता इस बात की है कि उनके प्रगति और उन्नति के नाम पर उनके संस्कृति पर नियंत्रण नहीं बल्कि प्रबंधन करने की जरूरत है। सरकार को चाहिए की उनके विकास के लिए अन्य कई परियोजनाएं जो स्थगित हैं उनको संचालित करें और साथ ही जिन परियोजना का संचालन किया जा रहा है उन पर भी यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि व्यवहारिक रूप में वह लागू हो पा रही है या नहीं।

(लेखक– केंद्रीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में रिसर्च स्कॉलर है एवं राजनीति विज्ञान में गोल्ड मेडलिस्ट है)

नाव नहीं मिली तो कांधे के सहारे निकले बच्ची का कराने इलाज

मन्नीजोत क्षेत्र के धनोहरा और पेंड़ारी के लोगो का छलका दर्द

सच्चिदानन्द मिश्रा / दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर / सिद्धार्थनगर। राप्ती के द्वारा बाढ की तबाही बदस्तूर

जारी है ऐसे मे बाढ़ प्रभावित गांवो के लोगो को जहां तरह तरह की समस्याऐं झेलने की मजबूरी है तो वहीं बीमार बच्चों के इलाज का प्रबंध काफी समस्या खड़ा कर रहा है। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र धनोहरा गांव निवासी संतराम की ढ़ाई साल की नातिनी आकृती तथा पेंड़ारी मुस्ताहकम गांव निवासी रामनरेश सोनी की लड़की सिवानी तीन साल पिछले एक हफ्ते से बीमार है स्वास्थ विभाग के द्वारा बांटी जा रही दवाएं नाकाफी साबित हो रही हैं।बतौर संतराम तथा राम नरेश कल गांव में आए स्वास्थ कर्मियों को दिखाए दवा भी दिए मगर बुखार,सर्दी तथा खांसी पर कोई असर नही हुआ।मंगलवार को सुबह से नाव चालक को फोन कर बच्ची के इलाज की दुहाई देकर नाव गांव में लाने का आग्रह किया मगर उसके द्वारा बार बार मै शाहपुर तो कभी डुमरियागंज होने की बात कहकर फोन चार बजे तक काटता रहा।थकहार कर बच्ची की हालत गंभीर तथा जापानी इंसेफेलाइटिस के डर से इलाज के लिए कंधे पर बैठाकर भनवापुर इलाज के लिए जा रहे है।गांव के शानू,नीबर,अवधराम आदि ने बताया कि धनोहरा और पेंड़ारी मुस्ताहकम गांव के लिए एक मोटर वोट दिया गया है मगर दुर्भाग्यवश कभी किसी जरूरत मंद को समय पर नही मिलती हम लोग बाढ़ की त्रास्दी झेल रहे हैं और लोग उसे लेकर सेल्फी के साथ नौका विहार करते है।

महराजगंज के 78 गांव बाढ़ की चपेट में, सेमरहवा का बांध टूटा

महराजगंज। नेपाल की पहाड़ियों और जनपद में हो रही बारिश के कारण जिले की नदियों उफान पर है। राप्ती, रोहिन, नारायणी, चंदन, प्यास, घोघी और महाव नाला खतरे के निशान के ऊपर बह रहा है। नदियों के जलस्तर बढ़ने से बंधों पर दबाब बढ़ने लगा है। लक्ष्मीपुर क्षेत्र गौहरपुर गांव के पास सेमरहवां का बांध सुबह टूट गया। जिससे करीब 16 गांव में पानी घुस गया है। इसी के साथ जिले के कुल 78 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। एनडीआरएफ की टीम लोगों के बचाव में जुटी है। उधर जिलाधिकारी डा. उज्ज्वल कुमार और पुलिस अधीक्षक प्रदीप गुप्ता ने निचलौल और नौतनवा तहसील के विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों एनडीआरएफ की नाव से स्थलीय निरीक्षण किया। सदर तहसील अंतर्गत चेहरी बांध में भी तीन जगह रिसाव हो रहा है, जिससे आस रहने वाले लोग भयभीत हैं। एनएच 730 पर बाबा कुटी के सामने, रामनगर टोले और कोठी टोला के पास बांध में सुबह से रिसाव हो रहा है। ग्रामीण बालू की बोरी से रिसाव स्थल को बांधने की कोशिश में जुटे हैं। लक्ष्मीपुर संवाददाता के अनुसार क्षेत्र में बाढ़ के पानी ने तबाही मचा दिया है। बचाव के लिए सिचाई विभाग, राजस्व विभाग, एनडीआरएफ की टीमें तैनात है। नेपाल से आया पानी शनिवार की दोपहर में कोइरी टोला का बंधा तोडते हुए दर्जनों गांव को संकट में डाल दिया। इसी बीच .सुबह गौहरपुर गांव के सेमरहवां का बांध टूट गया। देखते ही देखते कटान बढ़कर करीब 50 मीटर तक पहुंच गया है। जिससे सेमरहवा, मरचहवा, कुड़िया, आराजीसुवाइन, रानीपुर, खालिकगढ, कोमरी, पोस्टमैन टोला, विनया छावनी, तमुकहवां, अमहवां, छावनी, तेरहो टोला, वुडवंतवापुर, औरहवा कला,औरहवा खुर्द, सुबेदारपुर, मछरहियां, नौडिहवां, कुडिहवां, मंगरहिया, बिचऊपुर आदि गांव पानी से घिर गए हैं तथा लोगों को खाने–पीने व पेयजल का संकट खड़ा हो गया है।

नौतनवा संवाददाता के अनुसार रोहिन नदी व बघेला नाले के उफान से बीते शुक्रवार से ही चकदह गांव सहित इसके 22 टोले बाढ़ से घिरे हुए हैं। हालांकि लोगों की मदद के लिए प्रशासन की तरफ से नाव के साथ पीएसी की तैनाती कर दी गई है। .डीएम डा. उज्ज्वल कुमार व एसपी प्रदीप गुप्ता ने बोट से घरोही व महुलैना टोला पहुंचकर लोगों का कुशलक्षेम पूछा और राहत सामग्री वितरित की। डीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों की मदद के लिए एनडीआरएफ, पीएसी व स्वास्थ्य विभाग टीम की तैनात कर दी गई है। बाढ़ प्रभावित लोगों के भोजन की व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन व प्रधान को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभा चकदह के प्रधान वीरेंद्र राजभर ने बताया कि बाढ़ के पानी से अभी भी घरोही व महुलैना टोले के सैकड़ों ग्रामीण दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। उनके लिए पूड़ी, सब्जी, बिस्किट, पानी, फल आदि सुबह–शाम बोट की सहायता से पहुंचाया जा रहा है। सुबह से ही पैकेट बनाने के लिए ग्रामीण लगे हुए हैं। सीओ कोमल प्रसाद मिश्र, नौतनवा इंस्पेक्टर राजेश कुमार पांडेय, परसा मलिक थानाध्यक्ष शाह मोहम्मद आदि उपस्थित रहे। एडीएम कुंज बिहारी अग्रवाल ने भी बृजमनगंज फरेंदा तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरान किया।

परसामलिक संवाददाता के अनुसार नौतनवा तहसील क्षेत्र से होकर बहने वाले पहाड़ी नदी नालों का जलस्तर थमते ही रिहायशी बस्तियों से बाढ़ का पानी तेजी से खिसकने लगा है। सोनिया नाले का जलस्तर थमने के बाद बरगदवा, देवघट्टी, हरखपुरा, शिकारगढ़, हरपुर पाठक, सेमरहना, कचरिहवा, सीहाभार, नेबुअहवा आदि गांवों के लोगों की दैनिक दिनचर्या पटरी पर लौटने लगी है।

निचलौल संवाददाता के अनुसार नदियों का जलस्तर लगभग सामान्य रहा। जिससे बाढ़ जैसी हालत में कमी रही। जिसके बाद वह बाढ़ शरणालय गृह गेडहवा पहुंचे। जहां उन्होंने एसएसबी झुलनीपुर के सहयोग कमांडेंट संजय प्रसाद के साथ शरणार्थियों को भोजन व बिस्किट बांटा। जिसके बाद पीड़ित ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन भी किया। वहीं ग्राम बकुलडीहा, सुकरहर, मैरी, लक्ष्मीपुर खुर्द आदि गांवों में नाव से लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। गड़ौरा बाजार संवाददाता के अनुसार चंदन नदी के उफान व लगातार बारिश के कारण गोसदन मध्ावलिया भी इसकी चपेट में आ गया है। स्थिति यह है कि गोसदन चारों तरफ से पानी से घिरा हुआ है। जिससे गोवंशीय पशुओं की ज्यादा परेशानी बढ़ गई है। उन्हें चरने के लिए बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। सभी पशुओं को गोआश्रय में ही रखकर चारा खिलाया जा रहा है। वहीं गोसेवकों को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पनियरा संवाददाता के अनुसार पनियरा क्षेत्र के रोहिन नदी के डोमरा जर्दी बांध के औरहिया,रानीपुर, लक्ष्मीपुर के बांध में जगह–जगह पानी रिसाव होने से तटवर्ती ग्रामीण भयभीत हो रहे है। मानसून बारिश के कारण रोहिन नदी के जलस्तर बढ़ने से बांध में रिसाव होने से खतरा बना हुआ है। हालांकि सिचाई विभाग के अधिकारी दिन रात बंधे पर नजर बनाए हुए हैं। फुलमनहा संवाददाता के अनुसार बृजमनगंज क्षेत्र के गुजरौलिया, सहजनवां बाबू व दौलतपुर में अपर पुलिस अधीक्षक निवेश कटियार व एसडीएम अभय कुमार गुप्ता ने बाढ़ का निरीक्षण किया। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए एसओ को नजर बनाए रखने का निर्देश दिया।

एसडीएम फरेंदा अभय कुमार गुप्ता ने हल्का लेखपाल से बाढ़ में फसलों के क्षति के आंकलन कर रिपोर्ट मांगी तथा उन्होंने कहा जरूरत पड़ने पर नाव तथा एनडीआरएफ की टीम तैनात किया जाएगा। इतने गांवों में हुए प्रभावितः जनपद के कुल 78 गांव बाढ़ से प्रभावित है, जिसमें 41 गांव बाढ़ से घिर गए हैं और 37 गांव के कृषि क्षेत्र बाढ़ के पानी घिरा है। इस प्रकार तहसील नौतनवा के 37 में 18 गांव मैरूंड तथा 19 गांवों के कृषि क्षेत्र प्रभावित हैं। तहसील फरेन्दा के 14 में 10 गांव मैरूंड तथा 4 गांवों के कृषि क्षेत्र, तहसील सदर के दो गांवों में एक मैरूंड तथा एक में कृषि क्षेत्र व निचलौल के 25 गांवों में 12 गांव मैरूंड तथा 13 गांव में कृषि क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

कौडीराम, गोरखपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर कौड़ीराम क्षेत्र के मंदिरों एवं घरों में जन्माष्टमी की झांकी सजाई गई। उपनगर के कौड़ीराम , बलुआ , धस्का, धस्की गोड़सरी, भिटहां आदि गांवों में बने झांकी को एवं श्री कृष्ण भगवान के जन्म उत्सव के लिए बने पंडाल को भव्यता के साथ सजाया गया था। जन्मोत्सव में कई जगह भक्ति गीतों के माध्यम से जागरण भी किया गया । रात्रि बारह बजते ही चारों तरफ ।। नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की , हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की।। के शब्दों से लोगों द्वारा गुंजायमान हो रहा था। वहीं कौडीराम व्यापार मण्डल रजि0 के महामंत्री अजय प्रकाश सिंह ने अपने घर पर भक्ति गीतों के माध्यम से जागरण करवाया एवं प्रसाद वितरण किया। जागरण मे श्रोतागण नन्दलाला के भजन पर झूम उठे। इस मौके पर कृपाशंकर राय, कन्हैया चौरसिया,रमेश वर्मा, अरुण राय, अजय पांडेय, श्रवण गुप्ता,डब्लू सिंह, विनोद गुप्ता, प्रमोद यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

मानव तस्कर के चंगुल से बची नेपाली युवती

इंडोनेपाल बॉर्डर पर सक्रिय मानव तस्कर सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर कभी कभी हो जाते है सफल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। एसएसबी खुनुवा के जवानों मानव तस्कर के चंगुल से एक नेपाली युवती को बचाया है। एसएसबी व स्थानीय एनजीओ मानव सेवा संस्थान "सेवा" के द्वारा प्राथमिक पूछ–ताछ से पता चला की अज्ञात मानव तस्कर नेपाली युवती को आकर्षक जीवन शैली का झाँसा देकर आनन्दबिहार (दिल्ली) ले कर जाने वाला था। कथित मानव तस्कर का नाम अब्दुल्लाह मुसलमान पुत्र मोती उज्जमा मुसलमान, गांव एकला लुंबिनी सांस्कृतिक नगर पालिका वार्ड नं 08, जिला रूपनदेही बताया गया। जाँच पड़ताल एवं उचित कार्यवाही के बाद पीड़ित लड़की को एनजीओ मानव सेवा संस्थान (भारतीय) व नेपाल ए.पी.एफ. की उपस्थिति में नेपाल पुलिस चौकी मर्यादपुर, थाना–तौलिहवा, जिला कपिलवस्तु (नेपाल) को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया गया। एसएसबी के उप कमांडेंट सुस्वपन कुंडू ने कहा कि वर्तमान समय में मानव तस्करी के मामलों पर सशस्त्र सीमा बल के द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है जिससे कि किसी भी गरीब परिवारों के बच्चों और लड़कियों को मानव तस्करी में संलिप्त व्यक्ति, नौकरी, शादी व प्यार का झांसा दे कर तथा बहला फुसला कर नेपाल से भारत या भारत से नेपाल तस्करी न कर पाए और उनका शोषण न हो सकें।

प्राथमिक विद्यालयों में कल से होगी पढ़ाई, लौटेगी रौनक

देवरिया। कोरोना के चलते प्राथमिक विद्यालयों में अभी पढ़ाई नहीं हो रही है। एक सितंबर से इन विद्यालयों में पढ़ाई कराने का आदेश आ गया है। बुधवार से इन विद्यालयों में भी रौनक लौट आएगी। जिन विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति ज्यादा होगी, वहां दो शिफ्टों में विद्यालय को संचालित करने की योजना है। कोरोना संक्रमण को देखते हुए पिछले वर्ष मार्च 2020 के बाद विद्यालयों को बंद कर दिया गया था। अप्रैल 2021 में 20 दिन के लिए विद्यालय खुले, लेकिन दोबारा कोरोना संक्रमण तेज होने के चलते विद्यालयों को बंद करना पड़ा। धीरे–धीरे विद्यालय खुलने लगे हैं और पढ़ाई होने लगी है। अब एक से कक्षा पांच तक के विद्यालयों में भी छात्रों को पढ़ाने की अनुमति आ गई है। एक सितंबर से नौनिहालों का भविष्य विद्यालय में संवारा जाएगा। अभी तक नौनिहालों को मोहल्ला क्लास के जरिये पढ़ाया जा रहा था। जिले में 2224 परिषदीय विद्यालय हैं।

बंद हो सकते हैं 80 विद्यालय बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जिले में 80 अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। यहां निजी विद्यालयों की तर्ज पर छात्रों को अंग्रेजी की पढ़ाई की जा रही थी। लेकिन शैक्षणिक गुणवत्ता में यह स्कूल कोई खास छाप नहीं छोड़ सके। शासन ने ऐसे विद्यालयों को बंद करने की योजना बनाया है। हालांकि अभी तक इसका आदेश बीएसए कार्यालय तक पहुंच सका है। कक्षा एक से पांच तक के विद्यालय पहले से ही खुले हैं। लेकिन विद्यालय परिसर में पढ़ाई नहीं हो रही थी, एक सितंबर से उन विद्यालयों में पढ़ाई शुरू की जाएगी। अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों को बंद करने की जानकारी अभी नहीं है।

मददगार साबित हुई हाटा 112 की पुलिस,भटक रही महिला को घर तक पहुंचाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हाटा / कुशीनगर। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत आपात पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 की पीआरबी वैन संख्या 2532 की पुलिस ने भटक रही महिला को उसके घर तक पहुचाई।बताते चलें कि 112 के आपात हेल्पलाइन नंबर इवेंट संख्या 12525 पर कालर पवन कुमार गुप्ता द्वारा सूचना दिया गया, की एक अज्ञात महिला दोहपर से ही उनके दुकान के पास खड़ी है। और अपना नाम व पता नही बता पा रही है। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर सबसे पहले महिला को भोजन कराया गया, व काफी देर तक पूछ ताछ करने के दौरान महिला ने अपना नाम उषा मिश्रा व गांव बतरौली के रूप में बता पायी। जिसके बाद पुलिस द्वारा महिला के गांव के प्रधान से संपर्क किया गया। तो पता चला की उक्त महिला का नाम उषा पत्नी राघव मिश्र है , और पता चला कि घर के अन्य सदस्य भी महिला को खोजने निकले थे। इस दशा में 112 पुलिस द्वारा कोतवाली हाटा को सूचना दिया गया, जिस पर थाने की दो महिला कांस्टेबल मौके पर पहुंची। जिनके मदद से महिला को उनके घर बतरौली ले जाकर उनके पति और स्थानीय लोगो के समक्ष सुपुर्द कर दिया गया है। ड्यूटी पर एसआई माधव प्रसाद पाण्डेय, कांस्टेबल इन्द्र प्रकाश पाण्डेय एवं चालक गंगा प्रसाद यादव मौजूद थे।

आवास के लिए 2793 लाभार्थियों के खाते में भेजे गए 34.79 करोड़

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने .पीएम आवास योजना (शहरी) व पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने प्रदेश के पीएम आवास योजना शहरी के दो लाख 853 लाभार्थियों के खाते में 1341.17 करोड़ आनलाइन हस्तांतरण किए। जनपद के 2793 लाभार्थियों के खाते में 34.79 करोड़ 90 हजार 948 रुपये भेजे गए, जिसमें 1482 लाभार्थियों को प्रथम, 713 को द्वितीय व 598 को तृतीय किस्त शामिल है। टाउनहाल स्थित आडिटोरियम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण उपस्थित लोगों ने देखा। इस मौके पर लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक व स्वीकृति पत्र दिए गए। सदर विधायक डा.सत्य प्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि जरूरतमंदों के लिए संचालित योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सरकार प्रयासरत है। सरकार का उद्देश्य है कि 2022 तक सबके पास अपना मकान हो। इस योजना के तहत प्राप्त धनराशि का सदुपयोग करें व आवास बनवाएं। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने कहा कि गरीबों व आवासविहीन जरूरतमंद लोगों को छत मुहैया कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना रोजगार को आगे बढ़ाने में उपयोगी है। कहा कि जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत कुल 25796 आवास स्वीकृत हुए हैं, जिसमें 21271 पात्र व 4525 अपात्र पाए गए। 9797 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 16482 लाभार्थियों के आवास निर्माण कार्य नींव स्तर पर है। डूडा के पीओ विनोद कुमार मिश्र ने योजनाओं के बारे में बताया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी रविद्र कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन कुंवर पंकज, नगरपालिका अध्यक्ष अलका सिंह, एएसपी राजेश कुमार सोनकर, सांसद प्रतिनिधि रविद्र प्रताप मल्ल, एमएलसी प्रतिनिधि राजू मणि, अधिशासी अधिकारी नगरपालिका रोहित सिंह, अवर अभियंता आवास डूडा प्रभात कुमार, सभासद नित्यानंद पांडेय, दिनेश शुक्ला, ओंकार शर्मा, वीरेंद्र कुमार सिंह, लीलावती विश्वकर्मा आदि मौजूद रहीं।

इनको मिला पीएम आवास का स्वीकृति पत्रः प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत स्वीकृति पत्र व प्रतीकात्मक चेक लीलावती देवी, राजपति देवी, कलावती देवी, बेइला देवी, हाजरा खातून, दुर्गावती देवी, रामाश्रय, राम चरितर, सरोज देवी, पुष्पा देवी को दिया गया। जबकि पीएम स्वनिधि योजना के तहत स्वीकृति पत्र जितेंद्र गुप्ता, बेचन वर्मा, सोनू सोनकर, प्रभुनाथ वर्मा, गुड्डू, जगदीश वर्मा, गोविद राजभर व संजय गुप्ता को मिला।

बांसगांव नगर पंचायत अध्यक्ष वेद प्रकाश शाही ने नगर का चार्ज प्राप्त किया

बांसगांव। कानूनी लड़ाई बाद मंगलवार को नगर पंचायत बांसगांव अध्यक्ष वेद प्रकाश शाही की बहाली हो गई। उन्होंने नगर पंचायत कार्यालय में अपना पदभार ग्रहण कर लिया। एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद हाईकोर्ट दखल के बाद अपर मुख्य सचिव आदेश से नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकारों की बहाली का रास्ता साफ हुआ। पिछले वर्ष त्योहारों के मद्देनजर नगर पंचायत बांसगांव के कर्मचारियों का वेतन भुगतान एवं नगर पंचायत में साफ सफाई किए जाने तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालन हेतु जिलाधिकारी गोरखपुर द्वारा नगर पंचायत अध्यक्ष बांसगांव के अधिकारों को 13 अगस्त 2020 को शासन से जारी एक पत्र का हवाला देते हुए आंशिक रूप से बहाल किया गया था। बताते चलें कि जिला प्रशासन और नगर पंचायत अध्यक्ष बांसगांव के बीच गवन के एक मामले में जिलाधिकारी द्वारा नगर पंचायत अध्यक्ष बांसगांव के अधिकारों को स्थगित करते हुए एसडीएम बांसगांव को नगर पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया गया था। मंगलवार को पदभार ग्रहण करने के बाद अध्यक्ष वेद प्रकाश शाही ने कहा कि नगर पंचायत में विकास के जो काम अधूरे हैं। उनको त्वरित गति से पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा । उन्होंने नगर पंचायत बांसगांव की जनता का विशेष रूप से आभार प्रकट करते हुए कहा कि इतनी लंबी लड़ाई का पहला पड़ाव बिना जनता के सहयोग से जीतना मुमकिन नहीं था, हांलाकि पूरी तरह से जीत हासिल करने की लड़ाई जारी रहेगी।

विकास हुआ पर समस्याएं अभी भी बरकरार

महराजगंज । पड़ोसी देश नेपाल की सीमा से सटे सिसवा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रेमसागर पटेल का पूरा फोकस क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराने पर रहा। विधायक निधि सहित शासन की अन्य योजनाओं से मिले धन को संपर्क मार्ग, पुल–पुलिया निर्माण, विद्युत सबस्टेशन सहित अन्य कार्यों में खर्च किया। क्षेत्र की समस्याओं को सदन में उठाकर उन्हें पूरा करने की कवायद भी की। सिसवा को नगर पालिका का दर्जा दिलाने, फायर स्टेशन निर्माण व ठूठीबारी में सीएचसी निर्माण की कवायद परवान चढ़ी, लेकिन कुछ समस्याएं ऐसी भी हैं, जिनका अब तक समाधान नहीं हो सका है। कभी चीनी का कटोरा कहा जाने वाला सिसवा क्षेत्र अब वीरान है। गड़ौरा चीनी मिल प्रबंधन पेराई सत्र 2017–18 से लेकर अब तक का 26 करोड़ 60 लाख रुपये किसानों का गन्ना मूल्य दबाए बैठा है। इस पर कोई सार्थक पहल नहीं हो सकी है। विधायक ने भी शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान का वादा किया था, लेकिन यह समस्या यथावत है। विधानसभा क्षेत्र के अधिकांश हिस्सों में नेपाल से निकली हुई चंदन, प्यास व नारायणी नदी हर साल तबाही मचाती है। पहाड़ी नदियों के कहर को रोकने के लिए स्थायी समाधान की मांग जनता लंबे समय से कर रही है, लेकिन बीते चार सालों में इस समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा सके। सोहगीबरवा को जोड़ने के लिए नारायणी नदी पर पुल का निर्माण बड़ा मुद्दा है। सुगम मार्ग न होने से यहां की बदहाली जग जाहिर है। नारायणी नदी पर पुल निर्माण की कवायद अब तक धरातल पर नहीं पहुंच सकी है। बीते चार सालों के दौरान मुसहर व वनटांगिया गांवों में संपर्क मार्ग, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत बने घर यहां के लोगों को राहत दे रहे हैं। महराजगंज–निचलौल चार लेन सड़क निर्माण का प्रस्ताव, मिठौरा क्षेत्र के खोस्टा चौधरी टोला से वनटांगिया ग्राम 26, 27 व 28 में संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य, झुलनीपुर–चंदागुलरभार नहर मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण तथा महराजगंज–चौक–निचलौल मार्ग के चौड़ीकरण का कार्य आरंभ होने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा की उम्मीद है। तीन करोड़ की लागत से हो रहे राजकीय विद्यालय नौनिया का निर्माण, चौक–मिठौरा संपर्क मार्ग व निचलौल–बहुआर संपर्क मार्ग के निर्माण कार्य के पूरा होने से सिसवा विधानसभा क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। श्शसिसवा विधानसभा क्षेत्र की जनता ने जिन अपेक्षाओं के साथ मुझे विधायक चुना, उसे ईमानदारी के साथ लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश कर रहा हूं। चुनाव में जिन वादों को किया अथवा घोषणा पत्र में शामिल किया, उसे चार वर्ष में ही पूरा करने का हर संभव प्रयास किया। क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य सहित हर जरूरी मूलभूत सुविधाओं की कमी को पूरा किया हूं। चार वर्ष में पूर्वांचल विकास निधि से तीन करोड़ 48 लाख, विधायक निधि से नौ करोड़ व त्वरित आर्थिक विकास योजना से 15 करोड़ रुपये का विकास कार्य कराया हूं।

मेरा पूरा प्रयास रहता है कि सबसे निचले तबके के लोगों के दर्द को समझकर उसे दूर करने की हर संभव कोशिश की जाए। सिसवा नगर पंचायत को नगर पालिका का दर्जा मिलना इस क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम है। –प्रेमसागर पटेल, विधायक, सिसवा श्शसिसवा विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक केवल सरकार के सामूहिक कार्यों को अपनी उपलब्धि बताकर गिना रहे हैं।

क्षेत्र में कोई ऐसा कार्य नहीं हुआ है, जो विधायक के व्यक्तिगत प्रयास से हुआ हो। जो भी कार्य क्षेत्र में हुए हैं या हो रहे हैं, वह सरकार के एजेंडे में था, अथवा सामूहिक योजना थी। जिसे पूरे प्रदेश में कराया गया है। जिस सोच के साथ जनता ने प्रेमसागर पटेल को सिसवा के विधायक के रूप में चुना था, वह जनता की उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाएं हैं। –निकटतम प्रतिद्वंदी, शिवेंद्र सिंह, सपा श्शसिसवा को नगर पालिका बनाने के लिए नगर के लोग वर्षों से मांग कर रहे थे। यह मांग विधायक के प्रयास से पूर्ण हो पाई है। नगर पालिका बनने से क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी। जिले का महत्वपूर्ण व्यवसायिक कस्बा होने के चलते सिसवा के विकास के लिए यह पहल आवश्यक थी। –सिद्धार्थ तिवारी, निचलौल श्शमिठौरा क्षेत्र के विकास के लिए विधायक को दो वर्ष पूर्व नगर पंचायत बनाने के लिए ज्ञापन दिया गया था। जिस पर आश्वासन भी मिला कि जल्द घोषणा हो जाएगी, लेकिन आज तक पूरा नहीं हो सका। मिठौरा क्षेत्र के लिए विधायक ने कोई बेहतर कार्य नहीं किया। बरोहिया–पचमा पिपरिया सड़क वर्षों से गड्ढे में तब्दील है। रंजीत कुमार गुप्ता, मिठौरा बाजार श्शसिसवा विधानसभा क्षेत्र में सड़कें बदहाल थी। विधायक प्रेमसागर पटेल द्वारा विगत चार वर्षों में सभी मुख्य सड़कों का निर्माण कराया गया। सबसे अहम ठूठीबारी में चौड़ीकरण का कार्य व सिसवा को नगर पालिका परिषद का दर्जा दिलाना है। वर्तमान सरकार में बेहतर कार्य किए गए हैं। –मुन्ना गौंड़, अमरपुर वार्ड, सिसवा श्शनिचलौल बस डिपो क्षेत्र के लिए सम्मान का विषय था, जिसे बदलकर महराजगंज कर दिया गया। इस बिदु पर विधायक कुछ नहीं बोले। गड़ौरा चीनी मिल पर किसानों का करोड़ों रुपये बकाया है। इस मामले में भी उनके द्वारा बहुत प्रयास नहीं हुआ, जिससे क्षेत्र के गन्ना किसानों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने किया खिलाड़ियों का अभूतपूर्व प्रोत्साहन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। देश व प्रदेश में खेल प्रतियोगिताओं में ओलंपिक खेलों का अहम स्थान है। 31अगस्त को इस बार ओलंपिक खेलों का आयोजन टोक्यो में किया गया। टोक्यो ओलंपिक में प्रदेश और देश के खिलाड़ियों ने बहुत ही उम्दा प्रदर्शन किया। भारत ने इस ओलंपिक में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पर कब्जा किया। खेलों में खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन के लिए उनके प्रोत्साहन की अहम भूमिका होती है।उत्तर प्रदेश सरकार ने टोक्यो ओलंपिक में पदक विजेताओं के प्रोत्साहन में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्रादेशिकता की भावना को दरकिनार कर भारत के लिए मेडल जीतने वाले सभी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पदक विजेताओं के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उनके साथ राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल भी मौजूद रहीं। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि वे जान लगाकर देश के लिए खेलते हैं। ये खिलाड़ी एक प्रदेश का नहीं बल्कि समूचे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस सम्मान समारोह में जेवलिन थ्रो में स्वर्ण जीतने वाले नीरज चोपड़ा को दो करोड़ रूपये दिए गए। रजत पदक विजेता वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और पहलवान रवि दहिया को डेढ़–डेढ़ करोड़ दिए गए। कांस्य जीतने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी पी0वी0 सिंधु, बॉक्सर लवलीना, पहलवान बजरंग पुनिया को एक–एक करोड़ का पुरस्कार दिया गया। कांस्य पदक जीतने वाली पुरूष हॉकी टीम के सभी खिलाड़ियों को एक–एक करोड़, मुख्यकोच को पच्चीस लाख और सहयोगी स्टाफ के अन्य सभी सदस्यों को दस–दस लाख रूपये के चेक दिये गये। महिला हॉकी टीम के सभी सदस्यों को पचास–पचास लाख, मुख्यकोच को पच्चीस लाख एवं स्टॉफ को दस–दस लाख रूपये के चेक दिये गये। चौथे स्थान पर रहे पहलवान दीपक पूनिया एवं गोल्फर अदिति अशोक को पचास–पचास लाख रूपये, चानू के प्रशिक्षक को भी दस लाख रूपये का पुरस्कार दिया गया। प्रदेश सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी का पद प्रदान करने की व्यवस्था की है। साथ ही खिलाड़ियों को मिलने वाली अनुदान राशि में भी वृद्धि की घोषणा की गई है। प्रदेश सरकार ने कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए इस खेल को दस साल के लिए गोद लेने का फैसला भी किया है। इसके अलावा खेल छात्रावासों में खिलाड़ियों की प्रतिदिन खुराक राशि 250 रूपये से बढ़ाकर 375 रूपये कर दी गयी है। लखनऊ में कुश्ती अकादमी की स्थापना का भी प्रावधान किया गया है।प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों के कारण खेलों के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ा है। न केवल ओलंपिक खेलों में बल्कि अन्य अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए पुरस्कारों की व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की गयी है। इसके लिए एशियन गेम्स और कॉमन वेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीवने वाले खिलाड़ी को तीस लाख रूपये और कांस्य पदक जीवने वाले को पन्द्रह लाख रूपये देने की व्यवस्था की गयी है।यदि समग्ररूप से विचार किया जाए तो प्रदेश सरकार द्वारा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन की नीति निश्चित रूप से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खिलाड़ियों के प्रदर्शन को शीर्ष पर ले जाएगी।

साइकिल यात्रा निकाल सपा सरकार में हुए कार्यो को गिनाया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा जी के निर्देश पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड हरदोई के जिलाध्यक्ष नीरज अवस्थी के नेतृत्व में मंगलवार को पदाधिकारियों द्वारा हरदोई शहर में साइकिल यात्रा निकाली गयी और जिसमे जिला प्रभारी धर्मेन्द्र यादव प्रदेश सचिव व परिवेश श्रीवास्तव कुक्कू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे समाजवादी पार्टी की सरकार में किये गए कार्यो को साइकिल यात्रा के माध्यम से जनता तक पहुचाने का कार्य किया गया साइकिल यात्रा बिलग्राम चुंगी स्थिति यूथ ब्रिगेड के कार्यालय से कृषि विश्वविद्यालय होकर लखनऊ चुंगी से किसान बाजार (सर्कुलर रोड) से रेलवे स्टेशन से होते हुये जिंदपिर चौराहा ओवरब्रिज होते हुए कैनाल रोड से निकलकर कोयल बाग कालोनी होते हुए जेल रोड से निकलकर

पुलिस लाइन होते हुए जिला महिला चिकित्सालय से सिनेमा चौराहा से निकलकर सोल्जर बोर्ड चौराहा से निकलकर सदर तहसील होते हुए नुमाइश चौराहा से निकलकर रोडवेज बस स्टैंड होते हुए समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाप्त हुई इस मौके पर जिला महासचिव शराफत अली,जिला उपाध्यक्ष आकाश सिंह ककवाही,गिरिजा शंकर पाल,संजेश यादव,उत्तम यादव,कोषाध्यक्ष अभिषेक श्रीवास्तव गोलू,आकाश दिवाकर,हरिराम गुप्ता,विनीत यादव,रजत अवस्थी,रजनीश प्रजापति,विनीत पांडेय,आलोक सिंह,रवि चतुर्वेदी, शैलेंद्र राजवंशी,अजीत वर्मा,तौफीक अहमद,आशीष,इदरीस गाजी,जानिब खां,सारीफ खान, पुष्पेंद्र राठौर,नारेंद्र रावत,अनिलेश सिंह,विनय पांडेय,नीरज कश्यप,मो मतलूब,विकास कुमार,अमित सिंह,नदीम मंसूरी,शरीफ अल्वी,सुजीत यादव,मो वारिस,अरविंद यादव,रवि चतुर्वेदी, मुलायम सिंह, कुश यादव,मो वशिफ,आलोक सिंह,ललित कुमार,श्रीपाल,भूपेंद्र सिंह,रफी अहमद,ओमप्रकाश, आशुतोष सिंह,हर्ष सिंह,आदर्श सिंह,अंकुर सिंह,गौरव वर्मा,अनूप देवल,आशीष शर्मा,उदय प्रताप सिंह,अक्षय प्रताप सिंह,रोहित सिंह,विशाल कश्यप सहित विधानसभा, ब्लॉक,नगर कमेटी के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं व विशिष्ट जनो को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सहजनवा/गोरखपुर। विधानसभा क्षेत्र सहजनवा इस कलयुगी दौर में अगर कोई किसी का सम्मान कर रहा है तो वो काबिले तारीफ है बहुत ही कम लोग है जो अपने से बड़ो को सम्मान करते है नही तो बहुत सारे ऐसे लोग भी है जो अपने बूढ़े माँ बाप को एक

अवस्था के बाद उन्हें उसी हाल में झोड़ देते है बृद्धाश्रम में और देखने तक नही जाते है। लेकिन वही ऐसे भी लोग है जो अपने से बढ़ो का सर झुकाकर सम्मान करते है। जी हां हम बात कर रहे है भाजपा के राज्य मंत्री(आवास विकास परिषद के उपाध्यक्ष) अश्वनी त्रिपाठी का है जो अपने आप को इतने बड़े पद पर होने के बाद भी अपने से बड़े बुजुर्गो और छोटो को प्यार करना नही भूले है। वो पहले भी और आज भी लोगो का तहे दिल से आदर और सम्मान करते है। उसी के क्रम में 30 अगस्त सोमवार के दिन जो श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन है उसी दिन क्षेत्र के रास्ट्रीय स्वमसेवक संघ,जनसंघ,भारतीय जनता पार्टी,और हिन्दू युवा वाहिनी के अति वरिष्ट जनो का एक साथ करीब सैकड़ो लोगो को सहजनवा के अम्बा मैरेज हाल में फूल माला पहनाकर, अंगबस्त्र और श्रीमतभगवतगीता का किताब देकर सम्मानित किया।इस सम्मान के कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित शंखनाद और मंत्रोच्चार के साथ हुआ। राज्य मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि बड़े बुजुर्गो का सम्मान करने से बड़ा कोई नेक काम नही है। और हम पिछले करीब तीस सालों से पार्टी के साथ ही साथ अपने क्षेत्र के लोगो की हर समस्या में हर कदम उनके साथ रहे है उनकी हर बातो को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी तक पहुंचाने का काम भी करते आये है। आज योगी जी की ही देन है कि जो भी गुंडे मवाली लोग है तो अंडरग्राउंड हो चुके है हर लोग सम्मान का जीवन जी रहे है और रह गयी बात विकास की तो विकास की गंगा बह रही है अपने जिले में बहुत ही विकास हुआ है। इस मौके पर भानुप्रताप सिंह पूर्व जिलामंत्री भाजपा,डॉ0 आर0डी0 सिंह जिला महामंत्री,पी0के0मल्ल प्रदेश महामंत्री,रामजियावन मौर्या सदस्य प्रदेश अनुशासन समिति,दिलीप यादव ब्लॉक प्रमुख पिपरौली, शशिप्रताप सिंह ब्लॉक प्रमुख पाली,कवलदीप नरायन चौहान ब्लॉक प्रमुख सहजनवा, रामानंद सिंह,संजय शुक्ला, सुरेंद्र सिंह सोलंकी, आदि वरिष्ट लोग मौजूद रहे।

वुमन पॉलिटिक्स लीडरशिप अवार्ड' से सम्मानित हुई– उषा चौबे

फोकस भारत की इस नई पहल की हो रही सराहना

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। जनपद की घोरावल विधानसभा 400 क्षेत्र की दमदार महिला कांग्रेस नेत्री उषा चौबे को बीते दिनों लखनऊ के क्लार्क अवध होटल में फोकस भारत के बैनर तले आयोजित समारोह में वुमन पॉलीटिकल लीडरशिप अवार्ड 2021 से सम्मानित किया गया है। श्रीमती चौबे को यह अवार्ड फोकस भारत की प्रधान संपादक कविता नरूका द्वारा महिलाओं की हक हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए और उनका अधिकार दिलाने के लिए दिया गया है। उषा चौबे को सम्मानित किए जाने पर सोनभद्र की महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। गौरतलब हो कि फोकस भारत के इस आयोजन में लखनऊ की मेयर संयुक्ता भाटिया, उन्नाव की पूर्व सांसद अनु टंडन समेत कई प्रबुद्ध महिलाओं ने महिलाओं की राजनीति में भागीदारी और उनकी सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल पर अपने दमदार पक्ष रखकर महिलाओं को सशक्त बनाने का काम किया जिसकी पुरजोर सराहना की जा रही है।

एनटीपीसी रिहंद में मनाया गया भगवान श्री कृष्ण जन्म उत्सव समारोह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। बीजपुर एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के आवासीय परिसर

स्थित शिव मंदिर में सोमवार को भगवान श्री कृष्ण का जन्माष्टमी समारोह कोविड–19 का पालन करते हुए विधि–विधान से मनाया गया। रात्रि के जैसे ही 12 बजे वैसे ही आलकी–पालकी जय कन्हैया लाल की एवं भक्तिमय जयकारों से समूचा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। इसके पूर्व सायं से गायक कलाकारों द्वारा भक्तिरस के गीतों का श्रोताओं ने जमकर लुत्फ उठाया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित स्टेशन के मुख्य महाप्रबंधक देबब्रत पॉल ने अन्य सहअतिथियों के साथ विधि–विधान से मंत्रोच्चारण के बीच भगवान श्री कृष्ण की पूजा–अर्चना करके उनसे रिहंद स्टेशन एवं देश की सलामती के लिए दुआ मांगी। इसके एक दिन पूर्व श्री कृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष में मंदिर परिसर में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन रिहंदवासियों के लिए किया गया था। जिसमे श्रीमद्भगवद्गीता गीता से संबन्धित प्रश्न प्रतिभागियों से पूछे गए थे। जिसमें सभी प्रतिभागियों को श्रीमद्भगवद्गीता की पुस्तक उपहार के रूप में प्रदान किया गया। इन अवसरों पर स्टेशन के अधिकारीगण, विभिन्न यूनियन व एसोशिएशन के प्रतिनिधिगण, मंदिर समिति के पदाधिकारियों के साथ–साथ श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

घटिया ईंट लगाकर कमीशन की भरपाई करने में लगे ग्राम प्रधान

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। सरकार के मंशा के विपरीत नाली निर्माण कार्य

कराया जा रहा। आपको बताते चलें कि विकास खंड टड़ियावां की ग्राम पंचायत नानकगंज ग्रट का मजरा ईश्वरी पुरवा में ग्राम प्रधान व सचिव के मिलीभगत से मानक विहीन घटिया ईट सामग्री से नाली निर्माण कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाते हुए बताया कि पूरे मोहल्ले का पानी इसी नाली मे आता है और कई बार बनकर टूट चुकी है। और इस बार भी बन रही है लेकिन घटिया ईट मशाला से चुनाई की जा रही है। और यह फिर टूट जाएगी हम सभी लोगों की मंशा है कि मजबूत व सही सामग्री लगाकर निर्माण कराया जाए। क्यों कि बार बार किल्लत न उठानी पड़े। और पुरानी ईंट का खडंजा उखड़कर पुनः डाली जा रही है। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक चलेगा भ्रष्टाचारियों का पर चाबुक भ्रष्ट सिस्टम में अधिकारी मग्न हैं और जनता त्रस्त है। जिम्मेदार अधिकारी खाऊ कमाऊ की नियत से निडर होकर खुलेआम जनता के पैसों का कमीशन खोरी में बंदरबांट करने में लगे हुए जिससे साफ जाहिर होता है ग्राम प्रधान व जिम्मेदार अधिकारी कमीशन की भरपाई में जरा सा भी डर नही लग रहा है।

खानुवा चौकी इंचार्ज ने भाजपा नेता नगर मंत्री के साथ किया दुर्व्यवहार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

खानुवा/नौतनवां। भाजपा नेता के साथ दुर्व्यवहार, आक्रोशित भाजपाई पहुंचे सीओ कार्यालय सीमावर्ती क्षेत्र की पुलिस नए फार्मूले पर काम करना शुरू कर दी है, सम्मानित नागरिकों को छोड़ेंगे नहीं और क्षेत्र के तस्करों को छेड़ेंगे नहीं इस फार्मूले पर सोनौली कोतवाली के

खनुवा चौकी प्रभारी ने कार्य शुरू कर दिया है। खंनुवा चौकी पुलिस भारतीय जनता पार्टी के नौतनवा नगर मंत्री को इसी फार्मूले पर कार्य करते हुए उनके प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास किया। खनुवा चौकी प्रभारी के कार्यप्रणाली से भारतीय जनता पार्टी के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं ने आज भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यसमिति सदस्य वरिष्ठ नेता जितेन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी नौतनवा को चौकी प्रभारी के क्रियाकलाप से अवगत कराते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए क्षेत्राधिकारी नौतनवा को एक मांग पत्र सौंपा है। खबरों के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी नौतनवा नगर मंडल के नगर मंत्री सुधांशु वर्मा जिनकी खनुवा में अपनी एक प्रतिष्ठान है। वह सोमवार की शाम को अपने प्रतिष्ठान से अपनी बुलेट बाइक से घर के लिए आ रहे थे कि डाली पोखरे के पास चौकी प्रभारी खनुवा अपने पूरे दलबल के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे, चेकिंग के दौरान उन्हे रोक लिया और बिना वजह घंटों रोके रखा और परिचय देने के बाद भी दरोगा के कान पर जूं नहीं रेगा। इतना ही नहीं चौकी प्रभारी उनकी मौजूदगी में तस्करों के आवागमन पर कोई रोक टोक नहीं लगाया और पूछे जाने पर कहते रहे कि यह सब पुराने परिचित हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली की खबर जब भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को हुई तो वह आक्रोशित हो गए और आज मंगलवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता जितेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में भाजपा के पदाधिकारियों ने क्षेत्राधिकारी नौतनवा कोमल प्रसाद मिश्र को ज्ञापन सौप कर कार्रवाई की मांग की। इस मामले को क्षेत्राधिकारी नौतनवा ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल चौकी प्रभारी को अपने कार्यालय बुलाकर उन्हें कड़ी फटकार लगाई और पूरे मामले की जांच कराने की बात कहीं है। इस मौके पर मुख्य रूप से नौतनवा नगर के पूर्व चेयरमैन सीता राम लोहिया, राजन राजन वर्मा, सुनील गुप्ता, सोहन मद्धेशिया, रवि मोदनवाल, विशाल वर्मा सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एन.सी.सी. जूनियर व् सीनियर डिविजन के नवीन कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। अभ्युदय पब्लिक स्कूल राजगढ़ गोरखपुर मेंआज दिनांक 31.08.2021 को पूर्व सूचना के आधार पर एन.सी.सी. जूनियर व् सीनियर डिविजन के नवीन कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया एन.सी.सी. कमान अधिकारी कर्नल आर.के.सिंह (ल्ड) के नेतृत्व में सूबेदार नारायण चन्द ठकुरी व् यूपी 45 बटालियन से आये हुए कुशल प्रशिक्षकों द्वारा भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न करायी गयी। एन.सी.सी. जूनियर डिविजन के लिए आये हुए 58 छात्र ६ छात्राओं में से 50 का तथा सीनियर डिविजन में आये हुए कुल 84 छात्र ६ छात्राओं में से 53 का चयन शारीरिक श्रेष्ठव व् लिखित परीक्षा के आधार पर की गयी प् इस भर्ती प्रक्रिया में आये हुए समस्त सीनियर डिविजन के छात्रो को 1200 मीटर दौड़ कराया गया जिसमे 66 छात्रो ने दौड़ पूरा किया जबकि 18 असफल रहे। इस अवसर पर एन.सी.सी. भर्ती प्रक्रिया में शामिल हुए समस्त छात्र ६ छात्राओं को उत्साहित कर अपने संबोधन में सूबेदार नारायण चन्द ने बताया कि एन.सी.सी. छात्रों को न केवल शास्त्र व् शास्त्र की शिक्षा देती है अपितु असैन्य जीवन में भी उच्च आदर्श एवं उत्तरदायी गुणों की पृष्ठभूमि भी तैयार करती है। इस भर्ती प्रक्रिया को सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए आये हुए समस्त छात्र ६ छात्राओं का विद्यालय परिसर में मुख्य गेट पर सेनेटाइजर कर सर्वप्रथम उनका तापमान व् आक्सीजन लेबल जांचने के बाद ही भर्ती में शामिल होने का अवसर प्रदान किया गया। इस अवसर पर हवालदार योग्य प्रसाद देवन, जोरस राई, राबिन राना वरिष्ठ विद्यालय के प्रबंधक डा. शिवेंद्र त्रिपाठी , प्रधानाचार्य संजय पाण्डेय , पी. के. जायसवाल पी.एल.मौर्य अनिल कुमार (केयर टेकर जेडी) शिवराम कुमार (केयर टेकर एसडी) अजय कुमार जायसवाल, अजय कुमार कन्नौजिया, आर.के.पाण्डेय, सुदामा,राजेश सहित समस्त अध्यापक व् कर्मचारी उपस्थित थे।

हरदोई में लुटेरे बेखौफ

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। शहर कोतवाली क्षेत्र में लुटेरों ने चौन स्नैचिंग की वारदात कों दिया अंजाम, शहर में घर के बाहर से चौन स्नैचिंग की दूसरी वारदात, बाइक सवार दो लुटेरे चौन छीनकर भागने में हुए कामयाब, सीसीटीवी में कैद हुई चौन स्नैचिंग की वारदात, चौन स्नैचिंग की वारदात से शहर में दहशत व्याप्त, पूर्व में हुई चौन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करने में नाकाम पुलिस कों लुटेरों ने दी चुनौती, दाल व्यापारी से लूट का सीओ सिटी की निगरानी में पुलिस ने किया था 24 घंटे में खुलासा, चौन स्नैचिंग का खुलासा न होने पर लुटेरों के हौंसले बुलंद, पुलिस को लगातार चुनौती देते रहे हैं।

जलमग्न हुई हजारों एकड़ कृषि भूमि

बाढ़ की चपेट में आई पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई गई कई सड़के, आवागमन ठप्प

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा क्षेत्र के तुलसियापुर

चौराहे से झूँगहवा होते हुए कठेला को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह से जलमग्न हो चुकी है। अभी हाल ही में बने इस सड़क के किलोमीटर एक को छोड़कर किलोमीटर 2 से लेकर दस तक पूर्णरूप से डूबा हुआ है। इस मार्ग से आने जाने वाले ग्रामीणों का गांव से बाहर निकलना दूभर हो गया है। विदित हो उक्त मार्ग से तुलसियापुर, भूतहिया, झूँगहवा, कठेला सहित पचासों गांवों के लोगों का आना जाना रहता है। इस क्षेत्र के हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न है जिससे ग्रमीणों के निवाले के लिए धान के रोपे गए पौधे गलने और सड़ने लगे हैं। ग्रामीणों की मानें तो प्रशासन की तरफ से इंतजाम नाकाफी है। क्षेत्रीय विधायक चौधरी अमर सिंह ने दौरा किया है और फसलों का मुआवजा दिलवाने का भरोसा दिया है। बहरहाल इस प्रलयंकारी भीषण बाढ़ के आने से क्षेत्र की जनता का फसल तो जाया जा रही है अच्छी खासी मशक्कत के बाद पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई गई सड़क भी बर्बाद हो रही है।

ओबरा राम मंदिर में मनाई गयी जन्माष्टमी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। ओबरा श्रीराम मंदिर में सोमवार को जन्माष्टमी के शुभ

अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्री कृष्ण के जन्मोत्सव को राम मंदिर समिति के द्वारा भव्य तौर से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, हिन्दू आस्था के इस पारम्परिक त्यौहार में दर्शनार्थियों से सराबोर मंदिर प्रांगण की शोभा देखते ही बन रही थी। महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन प्रस्तुत कर पूरे माहौल को भक्तिमय कर दिया गया। हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार मध्य रात्रि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म पूरे विधि विधान से संपन्न हुआ। तत्पश्चात श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण कमेटी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम मंदिर कमेटी के सचिव नीलकांत तिवारी ने किया। इस दौरान कृष्णानंद वर्मा, सुशील सिंह, आशीष तिवारी, सुनील अग्रवाल सचिन तिवारी, समीर माली, मुख्य पुजारी राममिलन तिवारी उपस्थित रहे।

वाराणसी के पास हैं कई खूबसूरत पर्यटन स्थल, वीकेंड ट्रिप के लिए बेस्ट

वाराणसी, उत्तर प्रदेश के सबसे प्राचीन शहरों में से एक है। यह शहर भगवान शिव की नगरी के नाम से मशहूर है। प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक स्थलों के लिए प्रसिद्ध वाराणसी शहर, भारतीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के बीच एक लोकप्रिय गंतव्य है। वाराणसी के पास कई धार्मिक स्थलों, ट्रेकिंग स्पॉट और वन्यजीव अभयारण्यों हैं जो इस जगह की सुंदरता को प्रदर्शित करते हैं। अगर आप भी वाराणसी के आसपास की जगहों पर घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों पर जरूर जाएं–

चंद्रप्रभा

चंद्रप्रभा वाराणसी से लगभग 70 किमी दूर स्थित है और वाराणसी के पास लोकप्रिय पिकनिक स्थलों में से एक है। यह उत्तर प्रदेश के दक्षिण–पूर्व में एक वन्यजीव अभयारण्य है। यह नौगढ़ और चकिया के बीच स्थित है। यहाँ तक पहुँचने के लिए आप टैक्सी या ऑटो जैसे परिवहन चुन सकते हैं। खासतौर पर वीकेंड में यहाँ बहुत भीड़ होती है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच यह जगह पिकनिक मानाने के लिए और फोटोग्राफी के शौकीन लोगों

लोकप्रिय है। वहाँ आते हैं। यहाँ आप तैराकी कर सकते हैं।

राजदारीः राजदारी, वाराणसी के पास स्थित लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यह वाराणसी से लगभग 70 किमी दूर है और यहाँ सुंदर झरने हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करता है। वीकेंड पर लोग यहाँ परिवार के साथ पिकनिक मानाने और झरनों का आनंद लेने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के बीच बहुत लोकप्रिय है। यहाँ आप सुंदर परिदृश्यों के बीच फोटो खिंचवा सकते हैं।

सारनाथ : सारनाथ, बौद्ध धर्म में चार सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में से है। वाराणसी के उत्तर–पूर्व में स्थित यह भारत के प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थ स्थानों में से एक है। यह वह स्थान है जहां गौतम बुद्ध ने सबसे पहले धर्म की शिक्षा दी थी और कोंडाना के ज्ञान के माध्यम से बौद्ध संघ अस्तित्व में आया था। अशोक स्तंभ, मूलगंधा कुटी विहार, पुरातत्व संग्रहालय, चीनी और थाई मंदिर और मठ यहां के आसपास देखने लायक अन्य चीजों के अलावा हैं।

विंध्याचल : विंध्याचल, वाराणसी से 76 किमी की दूरी पर स्थित है। और एक प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल है। शास्त्रों के अनुसार, इसे देवी दुर्गा का निवास माना जाता है। किंवदंती है कि देवी ने महिषासुर राक्षस का वध करने के बाद विंध्याचल को अपने निवास स्थान के रूप में चुना था। विंध्याचल में अनेक मंदिर हैं, जहाँ सालभर भक्तों का तांता लगा रहता है।

चुनर फोर्ट : यह वाराणसी के बाहरी इलाके में स्थित है और वाराणसी के पास लोकप्रिय पिकनिक स्थलों में से एक है। यह वाराणसी शहर के पास स्थित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। वाराणसी के पास कई प्राचीन ऐतिहासिक स्थान हैं, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए वाराणसी के पास पवित्र स्थानों की यात्रा करने के लिए अच्छे हैं।

कम बजट में करना चाहते हैं हनीमून की प्लानिंग, तो एशिया के ये देश रहेंगे सही!

मैरिज लाइफ की शुरुआत के लिए हनीमून को फर्स्ट स्टेज माना जाता है। इस दौरान जहां अरेंज मैरिज में कपल्स एक दूसरे को जानने और समझने की कोशिश करते हैं तो वहीं लव मैरिज में एक दूसरे के साथ खूब मौज–मस्ती करते हैं। कुछ सालों पहले तक लोग हनीमून के लिए सिर्फ अपने देश में जाना पसंद करते थे, लेकिन अब दूसरे देशों में भी जाना पसंद करने लगे हैं। हनीमून पर जाने के लिए अगर आप भी किसी जगह की तलाश कर रहे हैं तो आइए एशिया के सबसे सस्ते देशों के बारे में बताते हैं जो आपके लिए बेस्ट जगह हो सकेंगी...

मलेशिया

मलेशिया एशिया के दक्षिण पूर्व का एक ऐसा देश है जो टूरिस्ट्स के लिए शानदार है। यहां साल के 12 महीने कई सारे त्यौहार चलते रहते हैं। यहां उत्सवों के होने का कारण मलेशिया के लोगों की ऊर्जा और उत्साह है। यहां घूमने के लिए जेब पर भी ज्यादा भार नहीं पहुंचता है, कम बजट के टूरिस्ट प्लेस में शामिल होने के कारण ये पर्यटनों के बीच मशहूर है। ये सबसे ज्यादा टूरिस्ट द्वारा घूमा जाने वाला देश कहलाता है। मलेशिया में कुछ ऐसे द्वीप भी मौजूद हैं जहां टैक्स नहीं लगता है। इसके अलावा कई खूबसूरत पहाड़, रेतीले तट, राष्ट्रीय उद्यान समेत ऐतिहासिक शहर हैं जहां घूमने की टिकट काफी कम है।

श्रीलंका

हनीमून माने या घूमने के लिए श्रीलंका काफी खूबसूरत देश है। ये एशिया के महाद्वीप के सबसे सस्ते देशों में शामिल है। यहां आपको संस्कृति, रेतीले समुद्र तट, प्राकृतिक खजाने और खूबसूरती देखने को मिल सकेंगे। यहां घूमने के लिए हर वर्ष भारतीय पर्यटक आते हैं। रामायण के समय से ही भारत से श्रीलंका का रिश्ता जुड़ा हुआ है। अन्य देशों से भी यहां पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। यहां की यातायात और खानपान की सुविधा भी बहुत सस्ती है। कम बजट और टूरिस्ट प्लेस के कारण ये देश खास माना जाता है, यहां आपको देखने के लिए बहुत कुछ मिलेगा।

वियतनाम

हनीमून के लिए एशिया के सबसे सस्ते देश वियतनाम भी जा सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों से ये देश लोगों के बीच काफी पसंद किया जा रहा है, घूमने के लिए इसे सबसे सस्ती जगह माना जाता है। वियतनाम में आपको कई खूबसूरत पहाड़, आदिवासी गांव, समुद्री तट समेत अन्य सुंदर जगह देख को मिलेगी। यहां की खासियत है कि रहने के फ्री में जगह भी मिल जाती है। इसके अलावा खानपान, घूमने के लिए कैब अन्य चीजों की सुविधा भी आपको काफी सस्ती मिलेगी। यहां आप अपने पार्टनर के साथ अच्छा समय बिता सकेंगे।

भारत

भारत का नाम भी एशिया के सबसे सस्ते देशों में शामिल है। यहां विदेशों से कई पर्यटक आया करते हैं। इस देश में कई दर्शनीय स्थल मौजूद है जो इसे दुनिया का सबसे अच्छा पर्यटन देश बनाता है। यहां संस्कृति, कला और प्राकृतिक खूबसूरती पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भी यातायत, खानपान आर टूरिस्ट प्लेस में घूमने के लिए सस्ते में काम हो जाता है।

नेपाल

एशिया के सबसे सस्ते देशों में नेपाल का नाम भी शामिल है। यहां आपको ठहरने से लेकर यात्रा के लिए गाड़ी तक अन्य देशों की तुलना में सस्ती मिलेगी। हिमालय की गोद में बसा नेपाल सबसे छोटा और बहुत खूबसूरत देश है। इस देश की खासियत है कि यहां आने के लिए वीजा या पासपोर्ट की जरूरत नहीं होती है। यहां हर साल कई पर्यटक घूमने के लिए आते हैं। यहां का खानपान भी बेहद सस्ता है।

इंडोनेशिया

हनीमून के लिए इंडोनिशेया एक बेहद अच्छी जगह मानी जाती है। एशिया के सबसे सस्ते देशों में भी इस देश का नाम शामिल है। इंडोनेशिया एक ऐसा देश है जहां आपको भारतीय संस्कृति का एहसास हो सकता है। अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ये देश दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां आपको कई मंदिर, संतरे के बाग, वन्य जीव अभ्यारण्य, सफेद रेत के समुद्री तट समेत झील और अन्य खूबसूरत चीजें देखने को मिल सकते हैं।

सिर्फ प्राकृतिक खूबसूरती ही नहीं और भी बहुत कुछ देखने को है जबलपुर में

गौंड राजाओं की राजधानी तथा कलचुरी वंश के राजाओं की कर्ममूमि रहा जबलपुर जाबालि ऋषि की तपोभूमि भी रहा है। उनके नाम पर ही इस स्थान का नाम जबलपुर पड़ा। मध्य प्रदेश का प्रमुख जिला जबलपुर जहां अपनी साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध है वहीं संगमरमरी चट्टानों के बीच कलकल कर बहती नर्मदा के यादगार दृश्यों के लिए विश्व भर के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र भी है। चारों ओर पहाड़ियों से घिरे होने के कारण यहां का पर्यावरण सुरक्षित है।

दर्शनीय स्थलों की बात करें तो सबसे पहले भेड़ाघाट का नाम आता है। नीली गुलाबी और सफेद संगमरमर की चट्टानों के बीच से बहने वाली नर्मदा घाटी का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है। सैंकड़ों फुट ऊंची संगमरमरी पहाड़ियों के बीच बहने वाली नर्मदा की गहराई 100 फुट तक है, नौका विहार में लगने वाले एक घंटे के अंतराल में भूलभुलैया, बंदर कूदनी जैसे दर्शनीय स्थल हैं। बंदर कूदनी के बारे में तो कहा जाता है कि बरसों पहले ये दोनों पहाड़ियां इतनी पास थीं कि एक ओर से दूसरी ओर बंदर कूद जाते थे पर बाद में पानी के कटाव ने इन दोनों पहाड़ियों में काफी फासला कर दिया। भेड़ाघाट में पंचवटी घाट भी है, जहां से नगर पंचायत द्वारा नौका विहार की व्यवस्था की गई है। भेड़ाघाट से जबलपुर की दूरी 22 किलोमीटर है। यहां पहुंचने के लिए आपको टैम्पो, बस, आटो रिक्शा तथा टैक्सियां आसानी से उपलब्ध हो जाएंगी।

भेड़ाघाट से लगभग दो किलोमीटर दूर विश्व प्रसिद्ध धुआंधार जल प्रपात है। अत्यंत ऊंची पहाड़ियों से जब नर्मदा का जल नीचे गिरता है तब उसका वेग इतना तीव्र होता है कि पानी धुएं के रूप में चारों ओर छा जाता है, इसलिए इस प्रपात का नाम धुआंधार जल प्रपात रखा गया है।

भेड़ाघाट में ही चौंसठ योगिनी के पुराने मंदिर हैं। इन योगिनियों की भग्न मूर्तियां कलचुरी राजाओं के कार्यकाल की देन हैं। एक गोलाकार मंदिर में 64 मातृकाओं और योगिनियों की मूर्तियों का निर्माण कलचुरी राजाओं ने करवाया था, इन योगिनियों और मातृकाओं का तांत्रिक पूजा में काफी महत्व माना जाता है। उस वक्त के कलाकारों ने जिस तरह से इन मूर्तियों को पत्थरों में उकेरा है, वह उस काल के वास्तुशिल्प का बेजोड़ नमूना कहा जा सकता है।

जबलपुर रोड़ पर लगभग दस किलोमीटर की दूरी पर रानी दुर्गावती का प्राचीन किला शिल्पकला का अद्भुत नमूना है, इस किले को राजा मदन सिंह गौंड ने बनवाया था। एक बड़े पत्थर पर बने इस किले का उपयोग उस वक्त निरीक्षण चौकी के रूप में होता था। 1100 ईंसवी में बनाए गए इस किले की मजबूत दीवारें आज भी ज्यों की त्यों हैं, राज्य शासन तथा जिला प्रशासन ने इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर दिया है। नर्मदा नदी के किनारे भूगर्भीय महत्व का स्थल है, लम्हेटाघाट। इसका धार्मिक तथा पौराणिक महत्व तो है ही साथ ही यहां ऐसे पत्थर पाए जाते हैं जिनमें रचनात्मक गुण मौजूद हैं। भूगर्भ शास्त्र के शोध छात्रों के लिए शोध की दृष्टि से यह स्थल बेहद महत्वपूर्ण है। कुछ समय पहले विशालकाय डायनासोरों के अवशेष भी इस क्षेत्र में पाये गये हैं। जबलपुर शहर के बीचोंबीच स्थापित रानी दुर्गावती संग्रहालय पुरातत्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण मूर्तियों व पत्थरों का संग्रह स्थल है। खुदाई में निकली अनेक पुरातत्वीय महत्व की मूर्तियों और वस्तुओं को एकत्रित कर इसे संग्रहालय के रूप में विकसित कर दिया गया है। इन सब स्थलों के अलावा आप शहीद स्मारक भी देखने जा सकते हैं। जबलपुर देश के प्रमुख रेलमार्गों से जुड़ा हुआ है। इसलिए यहां तक पहुंचने में आपको किसी खास कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। हां, जबलपुर गरम प्रकृति वाला शहर है। अक्टूबर से फरवरी तक यहां का मौसम काफी खुशनुमा होता है।

वीरों की भूमि कहा जाता है हरियाणा का रेवाड़ी शहर, जानें इसका गौरवशाली इतिहास

हरियाणा का रेवाड़ी शहर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से 82

किलोमीटर आगे स्थित है। यह शहर मुगल शासन की कहानियों, आधुनिक विकास के साथ–साथ हरियाणा की संस्कृति को समेटे हुए है। रेवाड़ी को हीरवाल की राजनीतिक राजधानी, वीरभूमि व सैनिकों की खान जैसी कई उपमाओं से अलंकृत किया गया है। रेवाड़ी अपने पीतल के उत्पादों के लिए जाना जाता है जो देश के अन्य हिस्सों में भी भेजे जाते हैं।

रेवाड़ी की उत्पत्ति प्राचीन काल से होती है। ऐसा माना जाता है कि इस शहर का इतिहास महाभारतकालीन नगर है। एक प्रचलित कहानी के अनुसार, लगभग 5500 वर्ष पूर्व यहाँ के शासक राजा रेवत थे। उनकी बेटी का नाम रेवती था, जिनका का विवाह भगवान श्री कृष्ण के भाई बलराम दाऊ से हुआ था। राजा ने विवाह के समय यह नगर रेवती को दहेज में दे दिया। रेवाड़ी को पहले रेवा–वाड़ी कहा जाता था, जो बाद में रेवाड़ी कहा जाने लगा।

दिल्ली के करीब होने के कारण, रेवाड़ी पूरे मुगल शासन में सक्रिय रहा। रेवाड़ी को अहीरवाल का लंदन भी कहा जाता है और यहाँ के राव राजा तुलाराम थे। उन्होंने 1857 के पहले स्वतंत्रता संग्राम में अहम योगदान दिया था। राव राजा तुलाराम को श्रद्धांजलि देने के लिए हरियाणा के लोग 23 सितम्बर का दिन शहीदी दिवस के रूप में मनाते हैं। इस पूरे जिले का इतिहास बहुत गौरवशाली है। रेवाड़ी जिले में लगभग 35 हजार पूर्व सैनिक व वीरांगनाएं हैं, जबकि लगभग 25 हजार सैनिक व सैन्य अधिकारी सेवारत है। रेवाड़ी न केवल अपने समृद्ध इतिहास के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यहाँ घूमने की भी कई जगहें है

कांग्रेस में कब समाप्त होगा नेतृत्व संकट ? फॉर्मूले हो रहे फेल, राहुल–प्रियंका की कोशिशें जारी

नयी दिल्ली। कांग्रेस की मौजूदा स्थिति बदतर होती जा रही है। नेतृत्व संकट से जूझ रही कांग्रेस क्या पूरी तरह से बिखर जाएगी ? या फिर खुद को संकट से उभार लेगी ? हालात देखकर लग तो नहीं रहा कि पार्टी के भीतर चल रहा अंदरूनी संकट टल गया है। सवाल यह भी है कि क्राइसिस मैनेटमेंट का सिस्टम क्यूं तबाह हो गया ? राजनीतिक गलियारों में कांग्रेस के भविष्य को लेकर कई तरह के सवाल घूम रहे हैं। हालांकि पार्टी सूत्रों से कई तरह की जानकारियां मिलती रहती हैं लेकिन फैसले जमीनीस्तर पर कारगर साबित नहीं हो रहे हैं।

कांग्रेस में नेतृत्व संकट

यूं तो कांग्रेस में अंदरूनी कलह चल रही है कि तकरीबन–तकरीबन हर राज्य में दिखाई दे रही है लेकिन पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की कलह ने तो सुर्खियां बटोर रखी है। राजस्थान में गहलोत–पायलट विवाद के बाद, पंजाब में अमरिंदर–सिद्धू और फिर छत्तीसगढ़ का बघेल–सिंह देव विवाद सामने आया। दरअसल, कांग्रेस ने हिन्दी भाषी राज्यों में सत्ता की चाहत को लेकर बिना मुख्यमंत्री उम्मीदवार का ऐलान किए हुए चुनाव लड़ा और मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और छत्तीसगढ़ में सरकार बनाई लेकिन चुनाव बाद मुख्यमंत्री का ऐलान किए जाने से पार्टी की कांग्रेस इकाई के दूसरे गुट नाराज नजर आ रहे थे हालांकि उन्हें मनाने के लिए तरह–तरह के फॉर्मूले दिए गए और फौरी राहत भी मिल गई।

डच से लेनी चाहिए सीख

कांग्रेस को लगा की स्थिति सुधर गई लेकिन अंदरूनी विवाद धीरे–धीरे कब बड़ा रूप धारण कर ले इसका अंदेशा लगाना जरा मुश्किल होता है और मध्य प्रदेश में हुआ भी कुछ ऐसा ही। सिंधिया कांग्रेस में रहते हुए खुद को असुरक्षित महसूस करने लगे थे। कमलनाथ मुख्यमंत्री पद के साथ–साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की कुर्सी पर भी विराजमान थे और सिंधिया के लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा भेजने की स्पष्ट बात भी नहीं कही। जिसका विरोधी दल ने फायदा उठाया और सिंधिया के समर्थन से कमलनाथ सरकार को गिरा दिया।

राजस्थान में भी संकट बरकरार

राजस्थान में भी गहलोत सरकार मुश्किल में आ गई थी, जब सचिन पायलट ने लगभग बगावत करने की ठान ली थी और अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया था लेकिन गहलोत ने स्थिति को बिगड़ने नहीं दिया और विधायकों की परेड करवा दी। हालांकि आलाकमान ने पायलट को समझाया और उन्हें भविष्य में सम्मान देने की बात कही।

राहुल गांधी ने उस वक्त लचीला रुख अपनाते हुए दोनों नेताओं को करीब आने फॉर्मूला दिया लेकिन राजनीति में जो दिखाई देता है अक्सर वो हो

यह जरूरी तो नहीं। पायलट खेमे के विधायकों का कहना है कि पायलट ने प्रदेश में वाजिब सम्मान मांगा था, जो अभी तक उन्हें मिला नहीं।

पंजाब में कब खत्म होगा विवादः पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ नवजोत सिंह सिद्धू ने मोर्चा खोल रखा था। जिसके बाद आलाकमान ने तीन सदस्यीय समिति बनाकर इस विवाद को समाप्त करने की कोशिश की लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए साफ प्रतीत होता है कि आलाकमान द्वारा दिया गया फॉर्मूला फेल हो चुका है। नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस पद की जिम्मेदारी सौंप दी गई थी फिर भी उन्होंने अमरिंदर के खिलाफ बोलना बंद नहीं किया। ऊपर से उनके सलाहकारों द्वारा की गई टिप्पणियों से राजनीति और ज्यादा गर्मा गई।

इसे भी पढ़ें रू किसान आंदोलन को लेकर खट्टर और अमरिंदर के बीच आरोप–प्रत्यारोप, बीकेयू की चेतावनी

हाल की परिस्थितियों को देखें तो इस बार अमरिंदर सिंह मजबूत स्थिति में नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने भी स्पष्ट कर दिया है कि अमरिंदर के नेतृत्व में ही आगामी विधानसभा चुनाव लड़ा जाएगा। लेकिन क्या सिद्धू को यह बात हजम होगी ? यह सवाल अपने आप में अहम है। क्योंकि पिछले कुछ सप्ताहों में वहां पर दो कांग्रेस दिखाई दी। एक सिद्धू की कांग्रेस तो दूसरी अमरिंदर की कांग्रेस और वो एक–दूसरे के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन करते हुए देखे भी गए।

छत्तीसगढ़ भी उलझ रहा

राजस्थान और पंजाब में घमासान मचा ही था कि छत्तीसगढ़ का विवाद भी खुलकर सभी के सामने आ गया। चुनावों से पहले कांग्रेस ने भूपेश बघेल और टीएस सिंह देव की मेहनत की बदौलत अपनी पकड़ मजबूत की और 15 साल बाद सत्ता में आई। हालांकि मुख्यमंत्री कौन बनेगा ? इस पर भी संशय बना हुआ था। लेकिन भूपेश बघेल ने बाजी मार ली।

कहा तो यह भी जा रहा है कि कांग्रेस ने ढाई–ढाई साल वाला फॉर्मूला सुझाया था। ऐसे में भूपेश की बारी पूरी होने पर टीएस सिंह देव मुख्यमंत्री बनने का इंतजार करने लगे लेकिन कांग्रेस ने तो अपने ही फॉर्मूले को भुला दिया। पिछले सप्ताह भूपेश बघेल गुट के विधायकों और पूर्व विधायकों ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी पीएल पुनिया से मुलाकात की और उन्हें मुख्यमंत्री बनाए रखने की वकालत की।

नेतृत्व संकट का सामना कर रही कांग्रेस विवाद उलझने के बाद ही क्यों सक्रिय होती है। जब उन्होंने फॉर्मूला सुझाया था तो उन्हें खुद विवाद को सुर्खियां बटोरने से पहले ही सुलझाना चाहिए था। लेकिन सुलझाता कौन ? क्योंकि कांग्रेस खुद बीमार चल रही है। पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी का स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है, इसीलिए तो नेतृत्व को लेकर 23 नेताओं ने सवाल खड़ा किया था। जिसे जी–23 का नाम दिया गया और फिर उन्हें निशाना भी बनाया गया लेकिन उनके द्वारा उठाए गए सवालों का समाधान नहीं निकला। फिलहाल राहुल और प्रियंका मिलकर विवादों को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन विवाद कब खत्म होगा, यह कह पाना काफी मुश्किल है।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर, जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व० श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

स्वस्तिकासनः स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है यह योगासन, जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

स्वस्तिकासन का अभ्यास करना काफी सरल है। अगर आपको मुद्रा में बैठना कठिन लगता है तो आपके लिए स्वस्तिकासन स्वस्तिकासन का अभ्यास करने से कई तरह के शारीरिक हम आपको इस योगासन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बाते योगा मैट पर अपने पैरों को सामने की तरफ फैलाकर फिर दाएं पैर को बाईं जांघ पर रखें। अब दोनों हाथों को बंद करें। इस दौरान अपने शरीर को आरामदायक स्थिति ीरे आंखें खोलकर आसन को छोड़ दें। सावधानियांः अभ्यास में दर्द या फिर कोई अन्य समस्या है, उन्हें इस आसन का माइग्रेन आदि समस्याओं से पीडिघ्त लोग भी इस तरह की परेशानी या चोट है तो इस आसन का जरूर लें। गर्भवती महिलाएं डॉक्टर की सलाह फायदेः रोजाना स्वस्तिकासन का अभ्यास करने और दिमाग के बीच शांति और स्थिरता को मानसिक एकाग्रता, सोचने और समझने की योगासन का अभ्यास तनाव और चिंता दूर अंगों पर सकारात्मक असर पड़ता है और मदद मिलती है। यह योगासन रीढ़ की अभ्यास से जुड़ी खास टिप्सः किसी भी को जबरन नहीं करना चाहिए। जितनी बेहतर होगा क्योंकि तभी आपको मिल सकता है। इस किसी शांत जगह ताकि आपका ध्यान केंद्रित हो सके। अगर समय अपने घुटने आपके घुटनों में अचानक न करें।

की मुद्रा में बैठना फायदेमंद हो सकता है। बता दें कि रोजाना और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए आज बताते हैं। स्वस्तिकासन करने का तरीकाः सबसे पहले सीधे बैठें। अब अपने बाएं पैर को दाईं जांघ पर रखें, ध्यान मुद्रा में घुटनों पर रखें और अपनी दोनों आंखों को में रखें। कुछ सेकेंड इसी स्थिति में रहने के बाद धीरे–ध के दौरान जरूर बरतें ये सावधानियांः जिन लोगों को घुटनों अभ्यास नहीं करना चाहिए। हर्निया, स्लिप डिस्क और आसन का अभ्यास न करें। अगर कूल्हों में किसी अभ्यास करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह के बाद ही इस योगासन का अभ्यास करें। से मिलने वाले फायदेः यह योगासन शरीर उत्पन्न करने में सहायक है। यह आसन शक्ति को बढ़ाने में भी मददगार है। इस कर सकता है। इस आसन से पेट के अंदरूनी पाचन शक्ति की कार्यक्षमता को बढ़ाने में भी हड्डी के लिए भी लाभदायक है। टिप्सः प्रकार के योगासन की तरह स्वस्तिकासन क्षमता हो उतनी देर ही योग करें तो इसका पूरा फायदा आसन का अभ्यास पर बैठकर करें पूरी तरह से इस पर आप इस आसन को करते मोडने में असक्षम हों या दर्द होने लगे तो यह आसन

बोनी कपूर के साथ नो एंट्री के सीक्वल की तैयारी कर रहे सलमान खान?

फिल्म नो एंट्री की सफलता के बाद से ही दर्शक इसके सीच्चल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लंबे समय से सीच्चल को लेकर बातें चल रही हैं। हालांकि, फिल्म के निर्देशक अनीस बाज्मी इस तरह की खबरों को नकार चुके हैं, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक सलमान खान के प्रशंसकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। चर्चा है कि सलमान ने सीच्चल की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्टों के मुताबिक सीच्चल को ठंडे बस्ते में नहीं डाला गया है। फिल्म के निर्माता बोनी कपूर और सलमान सीच्चल की तैयारी में जुट गए हैं। फिल्म के पहले पार्ट में सलमान की भूमिका बड़ी नहीं थी, लेकिन नई फिल्म में वह लीड रोल में नजर आने वाले हैं। हालांकि, इस फिल्म का निर्देशन कौन करेगा और इसमें फिल्म की पिछली स्टारकास्ट से और कौन–कौन शामिल होंगे, इसको लेकर भी कोई पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। 2019 में बोनी कपूर ने फिल्म के सीच्चल पर कहा था, हां नो एंट्री 2 बिल्कुल बनेगी। मैं नहीं जानता कि इसे कब शुरू करूंगा, लेकिन मैंने आखिरकार अनीस बाज्मी के साथ कहानी तैयार कर ली है। उन्होंने कहा, नो एंट्री 2, नो एंट्री से 10 गुना ज्यादा मजेदार है। यह आपको बहुत हंसाएगी। दूसरा पार्ट बस मनोरंजन के लिए नही है। इस फिल्म में एक मैसेज छिपा है। चर्चा यह भी थी कि सीच्चल में अर्जुन कपूर नजर आएंगे। नो एंट्री एक मल्टी स्टारर फिल्म थी। इसमें सलमान के अलावा अनिल कपूर, फरदीन खान, लारा दत्ता, सेलिना जेटली, ईशा देओल, बिपाशा बासु और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिकाओं में थे। सलमान फिल्म की शुरुआत और फिर अंत में कुल 40–45 मिनट तक नजर आए थे। इस कॉमेडी फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वे फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसके सीच्चल की मांग कर रहे थे। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपरहिट रही थी। सलमान इन दिनों ज्यादा ही व्यस्त चल रहे हैं। वह कैटरीना कैफ के साथ टाइगर 3 की शूटिंग कर रहे हैं। जबकि जल्द ही वह बिग बॉस 15 को भी होस्ट करते दिखेंगे। आयुष शर्मा के साथ फिल्म अंतिम में भी सलमान नजर आएंगे। शाहरुख खान की फिल्म पठान में वह मेहमान भूमिका निभाएंगे। किक 2, सूरज बडजात्या की एक अनाम फिल्म, पूजा हेगड़े के साथ भाईजान में सलमान नजर आने वाले हैं। वह रेस 4 का भी हिस्सा हैं।

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से फिल्मों में कदम रख रहे इब्राहिम खान?

पिछले काफी समय से दर्शक सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम की पहली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं और अब दर्शकों का यह इंतजार खत्म होने वाला है। सैफ की बेटी सारा अली खान के बाद उनका बेटा इब्राहिम भी फिल्मी दुनिया में अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार है। सुनने में आ रहा है कि इब्राहिम, करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से जुड़ गए हैं। रिपोर्टों के मुताबिक इस फिल्म के जरिए सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं। हालांकि, वह बतौर हीरो नहीं, बल्कि बतौर सहायक निर्देशक फिल्मी जगत में अपना करियर शुरू करने की तैयारी में हैं। सूत्रों की मानें तो फिलहाल इब्राहिम की बतौर हीरो डेब्यू करने की प्लानिंग नहीं है। वह फिल्म से सिर्फ इसलिए जुडना चाह रहे हैं, क्योंकि इब्राहिम पहले फिल्ममेकिंग अच्छी तरह सीखना चाहते हैं। पिछले दिनों सैफ ने कहा था, ऋतिक रोशन की तरह इब्राहिम को रुपहले पर्दे पर जबरदस्त एंट्री करनी चाहिए। जिस तरह से ऋतिक ने अपनी पहली फिल्म में धमाल मचाया था, वैसी ही शुरुआत इब्राहिम की होनी चाहिए। अभी इब्राहिम को बहुत कुछ सीखना है। सैफ ने कहा, इब्राहिम को सोशल मीडिया से दूर रहना चाहिए और समय पर पर्दे पर आकर धमाका करना चाहिए, क्योंकि हम बड़े पर्दे पर एक और नया चेहरा देखने का इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म से करण जौहर पांच साल बाद निर्देशन की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। इसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, वहीं, धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी एक खास भूमिका में हैं। करण ने पिछले महीने फिल्म की घोषणा की थी। उन्होंने बताया था, यह एक प्रेम कहानी है, लेकिन यह आपकी प्रेम कहानियों की तरह सामान्य प्रेम कहानी नहीं होगी। इब्राहिम बॉलीवुड में आने से पहले ही लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। वह सोशल प्लेटफॉर्म पर काफी सक्रिय रहते हैं और उनकी काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। इब्राहिम बॉलीवुड के लोकप्रिय स्टार किड हैं। उनके लुक और फैशन सेंस को काफी पसंद किया जाता है। स्टाइल के मामले में वह अपने पिता को भी मात देते हैं। इब्राहिम मैगजीन के लिए फोटोशूट भी करा चुके हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम फैंस को आई पसंद, पहले दिन किया इतने करोड़ का बिजनेस

हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म बेल बॉटम फैंस को काफी पसंद आ रही है ।अक्षय की इस फिल्म ने सिनेमा हॉल में पचास परसेंट क्षमता होने के बावजूद भी 20 करोड़ के करीब कमाई कर ली है। बॉक्स ऑफिस इंडिया . कॉम की रिपोर्ट की मानें तो शुक्रवार के दिन बेल बॉटम ने 7500000 रुपए कमाए हैं।

इसी के साथ ही अंदाजा लगाया जा रहा है कि अक्षय की यह फिल्म कमाई के मामले में जानवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म रूही के रिकॉर्ड तोड़ने वाली है ।अगर ऐसा होता है तो बेल बॉटम साल 2021 में बॉक्स ऑफिस पर अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन जाएगी। बात करें फिल्म के बारे में तो यह एक देश भक्ति पर बने सच्ची घटना पर आधारित मूवी है। फिल्म में लारा दत्ता ने इंदिरा गांधी का रोल प्ले किया है। वहीं फिल्म में हुमा कुरैशी और वाणी कपूर भी अहम रोल में हैं। बता दें कि यह लॉकडाउन फेज में बनकर तैयार होने वाली है बॉलीवुड की पहली फिल्म थी। पहले यह फिल्म अप्रैल में रिलीज होने वाली थी ।लेकिन कोविड के चलते इसकी रिलीज को रोक दिया गया था ।अब अमिताभ के फिल्म चेहरे भी इस कंपटीशन में शामिल हो गई है।

दीपिका और ऋतिक की फाइटर की रिलीज डेट जारी

फिल्म फाइटर काफी समय से चर्चा में है और हो भी क्यों ना, इसके जरिए दर्शकों को पर्दे पर पहली बार दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की जोड़ी जो दिखने वाली है। अब इस फिल्म की नई रिलीज डेट भी फाइनल हो गई है, जिसके बाद दर्शकों का इंतजार और बढ़ गया है। जाने–माने फिल्म समीक्षक और व्यापार विश्लेषक तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान किया है।

यह फिल्म पहले 30 सितंबर, 2022 को पर्दे पर आने वाली थी, लेकिन अब इसके लिए लंबा इंतजार करना होगा। यह फिल्म 2022 नहीं, बल्कि 2023 में दर्शकों के बीच आएगी। तरण आदर्श ने ट्विटर पर यह ऐलान किया। उन्होंने लिखा, दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन अभिनीत फिल्म फाइटर 26 जनवरी, 2023 को रिलीज होगी। बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं और इसका निर्माण वायकॉम 18 स्टूडियो के बैनर तले किया जा रहा है।

फाइटर भारत की पहली एरियल एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में ऋतिक का हाई वोल्टेज एक्शन होगा। वह एरियल स्टंट करते नजर आएंगे। ऋतिक अपने फिल्मी करियर में पहली बार पायलट की भूमिका निभाते दिखाई देंगे। फिल्म में रोमांस, इमोशन और देशप्रेम सब एकसाथ देखने को मिलेगा। इस फिल्म का बजट 250 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह एक पैन इंडिया फिल्म होगी, जो हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में भी रिलीज होगी।

रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि फिल्म फाइटर की रिलीज से जुड़े डिजिटल, थिएटर और सैटेलाइट राइट्स वायकॉम 18 स्टूडियोज को मिल गए हैं। बताया जा रहा था कि सिद्धार्थ आनंद के मार्फिलक्स प्रोडक्शन हाउस के साथ वायकॉम की काफी महंगी डील हुई है। फिल्म के रिलीज राइट्स को लेकर निर्माता काफी समय से कई स्टूडियोज के साथ संपर्क में थे और आखिरकार यह बाजी वायकॉम 18 स्टूडियोज के हाथ लगी।

ऋतिक, सिद्धार्थ आनंद की फिल्म वॉर 2 में भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। वह फिल्म रामायण में रावण की भूमिका निभाने वाले हैं। ऋतिक सुपरहिट तमिल फिल्म विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक का भी हिस्सा हैं। दीपिका द इंटर्न के हिंदी रीमेक और फिल्म 83 में नजर आएंगी। फिल्म सर्कस में दीपिका मेहमान भूमिका निभाएंगी, वहीं, पठान में उन्हें शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में देखा जाएगा। वह शकुन बत्रा की फिल्म में भी काम कर रही हैं।

कपड़ों पर लग गए हैं सफेद गोंद के दाग तो अपनाएं ये तरीके, जल्द होंगे साफ

कपड़ों पर अगर गलती से भी सफेद गोंद जाए तो इसके दाग को साफ करना काफी मुश्किल हो जाता है। कई बार तो हर कोशिश बेकार हो जाती होगी और कपड़े को फेंकना ही पड़ता है। अगर आपके घर में बच्चे हैं तो आपको खासतौर पर इस परेशानी से दो–चार होना पड़ता है। हालांकि, अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि आज हम आपको कपड़ों से सफेद गोंद के दाग छुड़ाने के कुछ तरीके बताने जा रहे हैं।

नेल पेंट रिमूवर है कारगरः नेल पॉलिश को साफ करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले नेल पेंट रिमूवर की मदद से भी आप कपड़ों पर लगे सफेद गोंद के दागों को साफ कर सकते हैं। इसके लिए एक कॉटन पैड में थोड़ा नेल पेंट रिमूवर लें और इसे कपड़े पर लगे गोंद के दाग पर हल्के हाथों से रगड़े। इसके बाद दाग वाली जगह पर डिटर्जेंट लगाकर उसे रातभर के लिए अलग रख दें और फिर सुबह उठकर कपड़े को धो लें।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड है कारगर

अगर आपके घर में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड मौजूद है तो आप उसका इस्तेमाल करके भी कपड़ों पर लगे सफेद गोंद के दाग को आसानी से साफ कर सकते हैं क्योंकि इस केमिकल कंपाउंड में क्लीनिंग प्रॉपर्टीज मौजूद होती हैं। इसके लिए एक कटोरी में हाइड्रोजन पेरॉक्साइड और नींबू का घोल तैयार कर लें, फिर इस घोल को कपड़े पर लगे दाग पर लगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को हाथ से रगड़कर गुनगुने पानी से धो लें।

टूथपेस्ट आएगा काम

टूथपेस्ट के इस्तेमाल से भी कपड़े पर लगे सफेद गोंद के दाग को साफ किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले दाग से प्रभावित जगह पर टूथपेस्ट लगाकर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें, फिर दाग पर कछ मिनट ब्रश को रगड़े। इसके बाद कपड़े को पानी से साफ कर लें और इसे हवादार जगह पर सुखा दें। अगर एक बार में दाग न जाएं तो इस प्रक्रिया को फिर से दोहराएं।

अल्कोहल से हट जाएंगे दागः अगर टूथपेस्ट के इस्तेमाल से कपड़े पर लगे सफेद गोंद के दाग साफ न हो तो इसके बाद अल्कोहल का इस्तेमाल करें क्योंकि इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएंगे। इसके लिए पहले एक से दो चम्मच अल्कोहल को दाग वाली जगह पर डालकर हल्के हाथों से रगड़े। इसके बाद अच्छे से पानी से साफ करें। अगर आपके पास अल्कोहल नहीं है तो आप इसकी जगह रबिंग अल्कोहल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।